चिन्ह की आवाज
THE VOICE OF THE SIGN

प्रभु की उपस्थिति में बस कुछ छणों के लिए खड़े रहिए। आइए हम उसके वचन में से, निगर्मन उसके चौथे अध्याय में से पढ़ें।

...मूसा ने उत्तर दिया, कि वे मेरी प्रतीति न करेंगे और न मेरी सुनेंगे, वरन कहेंगे, कि यहोवा ने तुझ को दर्शन नहीं दिया।

यहोवा ने उस से कहा, तेरे हाथ में वह क्या है? ...वह बोला लाठी।

उस ने कहा, उसे भूमि पर डाल दे; जब उस ने उसे भूमि पर डाला तब वह सर्प बन गई, और मूसा उसके सामने से भागा।

तब यहोवा ने मूसा से कहा, हाथ बड़ाकर उसकी पूँछ पकड़ ले कि वे लोग प्रतिति करें कि तुम्हारे पितरों के परमेश्वर अर्थात इब्राहीम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर, और याकूब के परमेश्वर, यहोवा ने तुझ को दर्शन दिया है। जब उसने हाथ बढ़ाकर उसको पकड़ा तब वह उसके हाथ में फिर से लाठी बन गई।

फिर यहोवा ने उससे यह भी कहा, कि अपना हाथ छाती पर रख कर ढांप। सो उसने अपना हाथ छाती पर रखकर ढांप लिया; फिर जब उसे निकाला तो क्या देखा, कि उसका हाथ कोढ़ के कारण हिम के सामान श्वेत हो गया है।

तब उस ने कहा, अपना हाथ छाती पर फिर रखकर ढांप। और उसने अपना हाथ छाती पर रखकर ढांप लिया; और जब उस ने उसको छाती पर

से निकाला तब क्या देखता है, कि फिर सारी देह के सामान हो गया है।

तब यहोवा ने कहा, यदि वे तेरी बात की प्रतीति न करें, और पहले चिन्ह को न माने, तो दूसरे चिन्ह की प्रतीति करेंगे। और यदि वे इन दोनो चिन्हों कि प्रतीति न करें और तेरी बात को न माने, तब तू नील नदी में से कुछ जल लेकर सूखी भूमि पर डालना; और जो जल तू नदी से निकालेगा वह सूखी भूमि पर लोहू बन जाएगा।

2 आइए हम प्रार्थना के लिए अपने सिरों को झुकाएं। अब क्या आप के पास में इस संध्या के लिए कोई निवेदन है, जो कि आप चाहते हैं कि प्रभु जाने, बस अपने हाथों को उठाएं और कहें, ''प्रभु, मुझे अब स्मरण रखिए। मुझे आवश्यकता है।''

3 हमारे स्वर्गीय पिता, हम आपके पास फिर से इस संध्या आ रहें हैं, इस बात का अहसास करते हुए कि जबकि हम अपने सिरों को इस मिट्टी की ओर झुकाते हैं जहां पर से हम आए हैं, और, यदि आप रूकेंगे, हम वापस मिट्टी में मिल जाएंगे। परन्तु मसीह में एक आशीषित आशा की प्रतिज्ञा के साथ, कि वे सभी जो कि परमेश्वर में पाए जाते हैं, उन्हें मसीह अपने साथ लेकर आएगा। हम–हम इस महिमायुक्त प्रतिज्ञा के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। और परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप हर एक को स्मरण रखेंगे जिन्होंने अपने हाथों को उठाया है, मेरा भी है, प्रभु।

4 मैं आज रात्रि विश्वास की इस घड़ी की समाप्ती पर यह प्रार्थना कर रहा हूँ कि आप लोगो को आज रात्रि इतना अधिक विश्वास देंगे, कि प्रभु यीशु हममें से हर एक के लिए इतना अधिक वास्तविक बन जाएगा, कि हमारे मध्य में आज की रात्रि के बाद एक भी कमजोर व्यक्ति नहीं होगा। होने पाए कि हर एक पापी इस बात का अहसास करने पाए की वह प्रभु यीशु की उपस्थिति में है, और फिर वह अपने पापों के लिए पश्चाताप करे, और अपना हृदय आपको दे दे, और आत्मा से भर जाए; इन अंतिम दुष्ट घड़ियों में, जबकि हम एक बहुत बड़ी छाया को पृथ्वी पर बड़ते हुए देख सकते हैं।

5 परमेश्वर, हम आज रात्रि दिव्य प्रेरणा के लिए प्रार्थना करते हैं, बोले जाने और सुने जाने के लिए प्रार्थना करते हैं। होने पाए की पवित्र आत्मा इस सभा को अब ले ले और जीवन की रोटी को हममें से हर एक के लिए तोड़े जैसे कि हमें उसकी आवश्यकता है, क्योंकि यह हम उसके नाम में मांगते हैं। आमीन।

आप बैठ सकते हैं।

6 मैं यह विश्वास कर रहा हूँ कि आज रात्रि हम उस बात को प्राप्त करने पाएंगे जो कि हम चाहते हैं कि लोग देखने पाएं, परमेश्वर पर विश्वास करने की वास्तविकता।

7 अब, कल दोपहर ढाई बजे, वे सभी जिनके पास प्रार्थना कार्ड हैं उनके लिए प्रार्थना की जाएगी। और इस बात को निश्चित करने के लिए कि कोई छूटा नहीं है, बिना प्रार्थना कार्डों के छूटा नहीं है, हम हर एक रात्रि कुछ प्रार्थना कार्डों को देते हैं। और वह कल फिर से उन्हें देगा, लगभग...मैं यह मान रहा हूँ कि लगभग डेढ़ बजे या कुछ इसी समय पर, बस ठीक सभा के आरंभ होने के पहले। और वे सभी जो कि यह इच्छा रखते हैं कि उनके लिए प्रार्थना करी जाए, आप के कोई प्रियजन हों, उन्हें आने दें और प्रार्थना कार्ड को लेने दें। उनका निश्चित रूप से प्रार्थना कार्ड लेने के लिए स्वागत है। और हम जा रहे हैं...

8 मैं लोगों के लिए प्रार्थना करने जा रहा हूँ, उनके ऊपर हाथों को रखने के द्वारा और उनके लिए प्रार्थना करने के द्वारा। अब यदि आपका विश्वास प्रभु यीशु की उपस्थिति में बढ़ नहीं सकता है और आप उसे चंगा करने वाले के रूप में ग्रहण नहीं कर सकते हैं, और आप यह विश्वास करते हैं कि यदि हम प्रार्थना करेंगे और आप के ऊपर हाथों को रखेंगे, कि उस बात से आपको सहायता मिलेगी, अच्छा, हम यहाँ पर निश्चित रूप से उस बात को करने के लिए हैं जिसकी आप इच्छा करते हैं।

9 जिस कारणवश मैंने इस बात को आगे तक टाल दिया, इस बात को

देखते हुए कि वह हर एक जन जिसे कि मैं कर सकता था, जो कि पहुंच सकता था और परमेश्वर को उस आधार पर प्राप्त कर सकता है। और हमारे पास बहुत अधिक नहीं है। यहां पर हैं...भवन बहुत बड़ा नहीं है, और अतः हमारे पास बहुत अधिक लोग नहीं हैं। और हम कल दोपहर को ले सकते हैं और उन सभी के लिए प्रार्थना कर सकते हैं जो कि हमारे पास यहां पर हैं, उस दोपहर को उस उद्देश्य के लिए रख लेते हैं, बिमारों के लिए प्रार्थना करने के लिए।

10 और हम यहां पर किसी भी उस बात को करने के लिए हैं जिससे की जीवन को आपके लिए थोड़ा सा और बेहतर बना दें, इस सफर में जिसको कि हम कर रहे हैं, बोझ को हल्का कर दें।

11 और फिर किसी भी समय, कि कोई इस बात को महसूस करे कि वे प्रभु यीशु के पास आना चाहते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि सभा का कौन सा भाग चल रहा है, आप ठीक तभी आ जाएं। आप वेदी पर से पुकार होने का इन्तजार न करें। आप तब तक इन्तजार न करें जब आप को निमंत्रण दिया जाए। आप ठीक तभी आ जाएं, मसीह को ग्रहण कर लें और ठीक यहां पर आएं और ठीक तभी उस का अंगीकार कर लें। क्योंकि यहां पर होने का हमारा मुख्य उद्देश्य यही है, परमेश्वर के राज्य में आत्माओं को जन्म पाते हुए देखना।

12 और अब, कल रविवार है, और संडे स्कूल होगा, गिरजा होगा। रविवार को, दोपहर में हमारी सभाओं के होने कारण यह है, ताकि बाकि की सभाओं में बाधा न आने पाए। हम यह विश्वास करते हैं कि हर एक मसीह के पास एक घरेलू कलीसिया होनी चाहिए जहां पर वह जाए। हर एक मसीह को कहीं पर विश्वासीओं से मिलना चाहिए। और जहां पर आप मिलते हैं, वही कलीसिया होती है।

13 अब, यदि मैं यहां पर रहता होता, मेरा संबन्ध यहां के गिरजों में से एक से होता, जिनका प्रतिनिधित्व यहां पर उपस्थित याजक करते हैं, जो कि सहयोग दे रहे हैं। क्यों? क्योंकि वे यहां पर मंच पर बैठे हुए हैं, ताकि वे सभी

लोगों के द्वारा देखे जाएं, कि वे इस बात का समर्थन करें जो कि घटित हो रही है। वे इस प्रकार की सेवकाई में विश्वास करते हैं, दिव्य चंगाई, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, और इसी प्रकार की बातें। वे यहां पर हैं इस बात की गवाही दे रहे हैं। एक था जिसने मुझे यहाँ आने का निमंत्रण दिया, कि शायद यह होने पाए कि उस सेवकाई से ज़ो कि प्रभु ने मुझे दी है, उनकी सभा की सहायता हो।

14 अब यही एक वास्तविक याजक है, जो कि उन सभी आत्मिक हितों की बाट जोहता रहता है जो कि वह कर सकता हो, उन सभी बातों के लिए जो कि परमेश्वर कर रहा होता है, कि वह अपनी कलीसिया को परमेश्वर के लिए आगे बड़ने का भरसक यत्न कर रहा होता है। मैं निश्चित रूप में उस प्रकार के याजक के लिए श्रद्धा में अपनी टोपी को उतारता हूँ।

15 और इन व्यक्तिओं को परेशानीओं में भी कार्य करना होता है। आप उस बात का विश्वास सत्य के रूप में कर सकते हैं। और मैं—मैं निश्चित रूप से परमेश्वर के इतने महान व्यक्ति का आभारी हूँ, जो कि अपनी दृढ़ धारणा के द्वारा अपने स्थान और कर्तव्य की अपनी जगह को लेने के लिए तत्पर हैं, और विश्वास करते हैं और परमेश्वर उन्हें हमेशा आशीष दे!

16 और मैं निश्चित हूँ कि वे आपके लिए अच्छा करेंगे। अब, यदि आप यहां पर अजनबी हैं, आप यह पता लगाएं कि इन भाइयों की कलीसियाएं कहां पर हैं, वे कहां पर हैं। आप उनसें कल मिलें। वे विशेष सभाएं करते हैं, और यहां पर सेवक हैं जो कि विभिन्न गिरजों में बोलेंगे, और जैसा कि उद्घोषित हुआ है। अतः आप कल उनसे मिलें।

17 और फिर कल दोपहर, यदि आप अंतिम सभा में आना चाहते हैं, हमे आप को पाकर निश्चित रूप से खुशी होगी। सभी गिरजों, सभी संस्थाओं, यह हर एक के लिए है। हर एक का स्वागत है; मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबेटेरियन, पिन्तेकोस्तल, मसीह की कलीसिया, परमेश्वर की कलीसिया, कैथलिक, यहूदी, अविश्वासी, आप जो भी कुछ क्यों न हों। हम हैं...आप को निमंत्रण है।

''आप कहते हैं, ''अविश्वासी?'' हाँ श्रीमान।

18 यदि कोई अविश्वासी सभा में आता है और बैठता है और अच्छा व्यवहार करता है, उसका उसी प्रकार से स्वागत है जैसा कि किसी और का होता है। ठीक है। कोई बात है जिसके कारण हम उसे यहां पर चाहते हैं, उस बात को करना होता है ताकि वह उसकी गलती को देख पाने में उसकी सहायता करे, और वह प्रभु के पास आने पाए। क्योंकि हम...निश्चित रूप में।

19 आप में से कितनो ने उस छोटे से दर्शन को पढ़ा है जिसको कि मसीही व्यापारीयों की पत्रिका में छापा गया था, और मैं विश्वास करता हूँ कि कुछ पत्रिकाएं और... *समय के पर्दे के उस पार देखना?* अब मित्र, यह सत्य बात है। आप उस बात से चूकने में असमर्थ नहीं हो सकते हैं। मैं–मैं उस समय के बाद से एक भिन्न व्यक्ति बन गया हूँ। मैं जानता हूँ कि वह वास्तविक बात है, अतः मैं–मैं–मैं बस यह विश्वास करता हूँ कि आप में कोई भी उस महान स्वर्ग से नहीं चूकेगा जिसको कि परमेश्वर ने विश्ंवासीयों के लिए बनाया है। यदि आप ऐसा करते हैं, आप ने इस पृथ्वी पर क्या अर्जित किया है? क्योंकि आप यह नहीं जानते हैं कि किस समय आप को इस संसार को छोड़कर जाना पड़े। परन्तु आप एक बात को जानते हैं, आप को निश्चित रूप में इसे छोड़कर जाना पड़ेगा। अतः यदि वह सत्य बात है, तब क्या हम इतने अधिक मूर्ख होंगे कि हम...यत्न करें। हम किसी संयोग को नहीं ले सकते हैं। अतः बस स्मरण रखिए, परमेश्वर के वचन पर और उसकी हर एक प्रतिज्ञा पर विश्वास करें।

20 जरा सोचिए, किस बात ने हर एक बिमारी, हर एक हृदय का टूटना, हर एक मृत्यु, हर एक परेशानी, हर एक दुःख, इस मस्तिष्क–संस्ताम्भ से पीड़ित बच्चों को, इन सभी बातों को, अपंग व्यक्तियों को, अंधो को, उस हर एक अस्पताल को जिसे हमने बनाया है, उत्पन्न किया? क्योंकि एक व्यक्ति ने बस वचन के एक छोटे से भाग पर अविश्वास किया। वह हव्वा थी। शैतान ने बस उसके लिए उसकी लीपा पोती करी, कहा, ''निश्चित रूप में...परमेश्वर बहुत अच्छा है।''

21 आप आजकल उसके विषय में इतना अधिक सुनते हैं, कि परमेश्वर

कितना अच्छा परमेश्वर है। वह अच्छा परमेश्वर है, परन्तु स्मरण रहे कि वह पवित्रताई का परमेश्वर है, एक ऐसा परमेश्वर जो कि पाप को अनदेखा नहीं कर सकता है। दण्ड को चुकाया जा चुका है, और आप को उसके आधार पर उसे ग्रहण करना है। और स्मरण रहे, वह क्रोध करनेवाला परमेश्वर है, क्रोध का परमेश्वर है। और आप एक क्रोधित परमेश्वर के समक्ष खड़े होंगे, अच्छाई और करूणा के परमेश्वर के समक्ष बस नहीं खड़े होंगे। आज वह आप का उद्धारकर्ता है; उस दिन वह आप का न्यायाधीश होगा।

22 अतः मित्र, आप सुनिश्चित हो जाएं कि आप एक भी बात को अकृत न छोड़ दें। वह–वह नहीं...उससे कोई लाभ नहीं होगा। आप उस बात में जल्दबाजी न–न करें। आप सुनिश्चित हो जाएं, दोहरे रूप से सुनिश्चित हो जाएं, क्योंकि आप को एक और अवसर नहीं मिलेगा। यही केवल आप के लिए एक अवसर है, जबकि आप पृथ्वी पर हैं।

23 धनी व्यक्ति और लाजरस को स्मरण करें, आपके और उसके मध्य एक बहुत बड़ा गड़हा था, जिसको कि किसी व्यक्ति ने कभी पार नहीं किया था, या कभी कर पाएगा। समझे? जब आप–आप की मृत्यु होती है, मामला समाप्त हो जाता है। मैं जानता हूँ कि लोग दावा करते हैं कि वे आपको उन स्थानों से प्रार्थना करके बाहर निकलवा लेते हैं, परन्तु आप कभी भी उस बात पर विश्वास न करें। वह बात वचन के विपरीत है। समझे? ''जिस तरफ एक वृक्ष झुका होता है, उसी तरफ वह गिरता है।'' और यीशु ने स्वयं कहा कि, ''एक गड़हा था, जब एक व्यक्ति की मृत्यु होती है और वह नर्क में जाता है, वह स्वर्ग में कभी भी नहीं आ सकता है। किसी भी मनुष्य ने उसे कभी पार नहीं किया है, और न कभी कर पाएगा।'' जहां तक मेरी बात है, मामला वहीं समाप्त हो जाता है। जब यीशु ने कहा कि वैसा है, वहीं सब कुछ है।

24 अतः बस स्मरण रहे, अब आपका मौका हैं और हो सकता है कि आज रात्रि आपको अंतिम अवसर मिले।

25 क्या आप कभी इस बात को समझ पाएं हैं कि क्या घटित हो रहा है? यदि आप बस उस बात को समझ सकते! मैं आशा कर रहा हूँ कि आप यह

नहीं सोच रहे हैं कि इस प्रकार से बोलने से मैं आपको किसी व्यक्ति की तरफ देखने के लिए प्रभावित कर रहा हूँ, या किसी व्यक्ति के ऊपर विश्वास करने के लिए आपको प्रभावित कर रहा हूँ। मित्र, मैं ऐसा नहीं कर रहा हूँ। मैं आपका विश्वास इस बात पर लाना चाह रहा हूँ कि हम किसकी उपस्थिति में अब हैं। यीशु मसीह, वही परमेश्वर जो कि आपका न्याय उस दिन करेगा, वह यहां पर है, अपनी पहचान आपकी उपस्थिति में करवा रहा है, वही बात जिसकी प्रतिज्ञा उसने करी है कि वह इन अंतिम दिनो में करेगा।

26 मैं सोचता हूँ भाई प्राइस, इस प्रातः नाश्ते पर, कठिन स्थिति पर आने का एक अच्छा चित्रण किया गया था, फिर उसमें से बाहर निकलने का। क्या आपने उसका आनंद लिया? (सभा कहती है, ''आमीन''–संम्पा) निश्चित रूप से लिया। यह बहुत ही अच्छी तरह से बोला गया था।

27 अब, स्मरण रहे, कभी–कभी कठिन स्थिति में, परन्तु आइए हम यह स्मरण रखें कि हमें इन कठिन स्थितयों में से बाहर निकलना है। मैंने उस विषय पर एक बार प्रचार किया था और उसे *संगम* कहा था। हम संगम पर बहुत सी बार आते हैं, हमें इस मार्ग पर आना होता है और विभिन्न मार्गों में जाना होता है।

28 अब आज रात्रि, अगले कुछ मिनटों के लिए, मैं एक विषय को लेना चाहता हूँ: *चिन्ह की आवाज*। और हमारा दृष्य आज रात्रि निगर्मन की पुस्तक में खुलता है, और *निर्गमन* का अर्थ होता है, ''बाहर आना; बाहर निकाला जाना।'' अब जितने ध्यान से आप इसे सुन सकते हैं, आप इसे सुने।

29 मैं कभी आप को प्रचार करना चाहता हूँ, आप इतनी अच्छी सभा हैं, परन्तु मेरे पास बस आवाज नहीं है। बस उसके ऊपर थोड़ा सा जोर डालना है, और मैं जानता हूँ कि क्या होगा। अभी मुझे थोड़ी देर के लिए विश्राम करना है, लगभग आठ या दस दिनों के लिए, इससे पहले कि मैं अगली सभा को आरंभ करूं। समझे, यह केवल यही सभा में होना नहीं है। यह एक दिन के बाद दूसरे दिन, एक सप्ताह के बाद दूसरे सप्ताह, एक महीने के बाद दूसरे महीने, एक वर्ष के बाद दूसरे वर्ष सभा करना होता है, और आप कल्पना कर

सकते हैं।

30 और सोचिए कि सभी समयों में, एक वर्ष के बाद दूसरे वर्ष में, एक भी बार ऐसा नहीं हुआ है कि उसने कभी कुछ कहा हो और वह सिद्ध रूप में सत्य के अलावा और कुछ न हो; सारी भाषाओं में, सात बार सारे संसार के चारों ओर। समझे? कोई भी व्यक्ति कहीं पर भी यह कह नहीं सकता है, परन्तु यह सिद्ध रूप में बिलकुल ठीक–ठीक हर एक बार पूरा हुआ है। जब वह कहता है कि कोई निश्चित बात घटित होगी, वह बिलकुल ठीक उसी प्रकार घटित हुई है। इससे पहले कि वह घटित हो, उस बात को बहुत सप्ताह और महीनो और वर्षों पहले बता दिया गया था, और हमेशा से वह बिलकुल ठीक–ठीक घटित होती है। एक भी बार असफल नहीं हुई है, और वह कभी नहीं होगी क्योंकि वह परमेश्वर है। अब, एक व्यक्ति के रूप में मैं असफल हो सकता हूँ। एक उदाहरण के रूप में मेरी ओर कभी न देखें, क्योंकि मैं–मैं बस आपकी तरह हूँ, बस एक अनुग्रह के द्वारा बचाया गया पापी हूँ। परन्तु वह परमेश्वर है, जो कि अलौकिक है, समझे, अपनी पहचान करा रहा है। उसको वैसा करने की आवश्यकता नहीं है, परन्तु उसने प्रतिज्ञा करी है कि वह करेगा।

31 यीशु ने चंगा किया ताकी वचन पूरा हो सके। उसने उन कार्यों को किया क्योंकि परमेश्वर का वचन पूरा हो सके।

32 इसी बात के लिए वह इसे कर रहा है, ताकि वचन पूरा किया जा सके, इसी बात का उदाहरण मैंने आपको एक रात्रि से लेकर दूसरी रात्रि में दिया है।

33 अब ध्यान दें जब उसकी उपस्थिति नजदीक आती है, निश्चित रूप से वह भावनाओं को लेकर आती है। जैसा कि मैंने इस प्रातः कहा था, "कोई भी चीज जो कि किसी भावना के होती है, वह मृत अवस्था में होती है।" और कोई भी धर्म जिसमें कोई भावना नहीं होती है, बेहतर होगा यदि आप उसे दफना दें, वह मरी हुई अवस्था में है। वह भावनाओं को लेकर आता है। वह हमें जिला देता है। परन्तु जब हमें जिला दिया जाता है, आइए हम उस बात को स्मरण रखें कि किसने हमें जिलाया है। किस चीज ने ऐसा किया है? यह

हमारे मध्य में पवित्र आत्मा अर्थात यीशु मसीह की उपस्थिति है, स्वयं को दिखा रहा है कि वह जीवित है। एक भौतिक देह नहीं; उस समय जब भौतिक देह स्वर्ग से वापस आएगी, समय और अधिक न रहेगा। यही सब कुछ है। और हम जानते हैं कि हम अंतिम दिनों में रह रहे हैं, जबकि इन सब बातों को घटित होना है।

अब, परमेश्वर ने पहले निगर्मन किए थे। एक है...

34 परमेश्वर के साथ हर एक बात तीन में आगे बढ़ती है। परमेश्वर तीन में सिद्ध होता है। मसीह का पहला आगमन उसकी दुल्हन को *छुड़ाने* के लिए होता है; दूसरा आगमन उसे *लेने* के लिए होता है; तीसरा आगमन अपनी दुल्हन के *साथ* सहस्त्राब्दि में राज्य करने के लिए होता है। हर एक बात तीन में आगे बढ़ती है।

35 अब, पहले रहे हैं, और आगे तीन निगर्मन होने हैं। उनमें से एक तब था जब परमेश्वर उन्हें जहाज के अंदर एक निगर्मन के लिए, पृथ्वी के ऊपर सवारी करने के लिए लेकर आया था। अगली बार परमेश्वर उन्हें मिस्त्र में से *बाहर* निकालकर लाया था। और अगली बार परमेश्वर उन्हें *ऊपर* लेकर जाता है। अन्दर, बाहर, ऊपर! अगला निगर्मन ऊपर जाना है। एक हमारे सम्मुख है, ऊपर जाने का समय।

36 यह उसी प्रकार से है जैसे कि जीवन में होता है। हम जीवन *में* आते हैं, हम जीवन से *बाहर* जाते हैं, जीवन में *ऊपर* उठ जाते हैं, बस ठीक वही बात है। अतः हम हैं...

37 हमारा दृष्य आज रात्रि निगर्मन में खुलता है, और परमेश्वर अपने राष्ट्र को लेने के लिए तैयार हो रहा था।

38 इस्त्राएल एक राष्ट्र है। परमेश्वर इस्त्राएल से व्यक्तिगत् रूप से व्यवहार नहीं करता है। इस्त्राएल एक राष्ट्र है, उसने हमेशा से उनके साथ व्यवहार किया है। और अंतिम दिनों में, कलीसिया के चले जाने के बाद, तब

फिर परमेश्वर इस्राएल का उद्धार राष्ट्र के रूप में करेगा। वह अपने घर में अभी है, उस बात के लिए तैयार है। और उनका उद्धार होगा, बाईबिल ने कहा, ''एक दिन में एक राष्ट्र का जन्म हो जाएगा।'' परमेश्वर यहूदी से व्यक्तिगत् रूप से व्यवहार नहीं करता है। वह उनके साथ में राष्ट्र के रूप में व्यवहार करता है, वह इस्राएल से हमेशा ऐसा ही करता है, क्योंकि वह एक राष्ट्र है।

39 और वह यहाँ पर निगर्मन में अपने राष्ट्र को एक राष्ट्र में से बाहर निकालने जा रहा है, अपने लोगों को न्याय से दूर ले जा रहा है।

40 और उसी पानी ने जिसने संसार को डुबो दिया था, उसने नूह को बचा लिया था। समझे? और वही पवित्र आत्मा, जिसे लोग आज ठुकरा रहे हैं, वह कलीसिया को लेगा और उसे ऊपर ले जाएगा, और उसपर न विश्वास करने के लिए न्याय को लेकर आएगा। यीशु ने कहा था।

41 जब उन्होंने उसे बालजबूल कहा था, ''बालजबूल'', दूसरे शब्दों में, ''वह भावी बताने वाला था।'' वे...

42 उसने कहा, ''मैं तुम्हें उस बात के लिए क्षमा कर दूंगा,'' मनुष्य का पुत्र। बलिदान दिया नहीं गया था। ''परन्तु जब पवित्र आत्मा आएगा और उन्हीं बातों को करेगा, उसके विरोध में एक भी शब्द न इस संसार में और न आने वाले संसार में क्षमा किया जाएगा।'' उसे अस्वीकर होना है, और फिर उसके बाद में न्याय प्रहार करता है। समझे, परेशानी इस बात में है...कि हम

43 इस बात से मेरे मस्तिष्क में एक बूढ़े नाविक की एक कहानी स्मरण आ रही है, जो कि मैंने पढ़ी थी, जो कि समुद्र से आ रहा था, और एक–एक युवा अंग्रेजी कवि समुद्र की ओर जा रहा था। और उस कवि ने समुद्र के विषय में बहुत कुछ लिखा था, परन्तु उसने उसे कभी नहीं देखा था, और अतः वह उसकी ओर जा रहा था। और बूढ़े नाविक ने अपने मुँह में सिगरेट के पाईप के छोटे से टुकड़े को लिए हुए उससे कहा, ''मेरे अच्छे व्यक्ति, तू कहां पर जाता है?''

44 उसने कहा, ''मैं समुद्र की ओर जा रहा हूँ।'' उसने कहा, ''मैंने उसे कभी नहीं देखा है। मैंने उसके विषय में लिखा है, और जो कि दूसरों ने कहा है, परन्तु, ''कहा ,'' ओह मैं कितना अधिक रोमांचित हो रहा हूँ इस बात को जानकर की मैं समुद्र के निकट आ रहा हूँ।'' उसने कहा, ''ओह, उसके नमकीन खारे पानी की महक कितनी अच्छी है! उसके ऊपर के सफेद आवरण जो कि उसके ऊपर फूट रहे हैं कितने अच्छे लगते हैं, और उसके ऊपर के नीले आसमान उसमें प्रतिबिम्बित होते हुए, और सामुद्रिक चिड़ियों को उसके ऊपर से उड़ते हुए सुनना कितना अच्छा लगता है, ओह, मैं उसे देखने के विचार से रोंमाचित हो रहा हूँ!''

45 बूढ़े नाविक ने कहा, ''साठ वर्ष पहले मेरा जन्म इसमें हुआ था, मैं उसके विषय में कुछ भी सुन्दर बात नहीं देखता हूँ।'' समझे, उसे इतना अधिक देखा था जब तक कि वह उसके लिए बड़ी साधारण सी बात हो गयी थी।

46 अब यही मामला आज पिन्तेकोस्तल गिरजे के साथ में आज है। उन्होंने परमेश्वर को इतना अधिक देखा है, जब तक कि परमेश्वर उनके लिए साधारण सा बन कर रह गया है। ऐसा कभी न होने दें।

47 लुईविले केनटेकी में इस बात को बहुत दिन नहीं हुए हैं। जैफरसनविले ईन्डियाना, जहाँ पर से मैं आया हूँ, यह जगह नदी के उस पार है। एक महिला दस सेन्ट के स्टोर में गई। ओर उसके हाथ में एक छोटा लड़का था, और वह काउन्टरों पर जा रही थी और उन्मत हो रही थी। वह कुछ उठाती, छोटे बच्चे का दिखाती; वह बस बैठा रहता और घूरता रहता। वह दूसरे काउन्टर पर जाती , कुछ उठाती और छोटे बच्चों को दिखाती; वह बस घूरता रहता। और कुछ देर के बाद उसने एक घंटी उठाई और उसे बजाने लगी, और छोटा लड़का बस घूरता रहता। और वह चिल्लाने लगी, और अपने हाथों को ऊपर उठा लिया। और दस सेन्ट के स्टोर में लोग उसे देख रहे थे, और अतः वे उसके पास यह पता लगाने के जिए गए कि क्या परेशानी है।

48 उसने कहा, ''मेरे पास...मेरा छोटा लड़का,'' कहा, ''वह केवल तीन वर्ष

का है।'' और कहा, ''मैं...अचानक लगभग एक वर्ष पहले, उसने लिया और बस बैठा रहा और बस घूरने लगा।'' और कहा, ''मैं—मैं उसे चिकित्सक के पास ले गयी,'' और कहा, ''और चिकित्सक ने कुछ निश्चित इलाज और चीजे लिखकर दीं।'' और कहा, ''और चिकित्सक ने मुझे आज बताया था कि वह सोचते हैं कि वह बेहतर है। परन्तु,'' कहा, ''वह बेहतर नहीं है।'' कहा, ''मैंने उसके सामने हर एक चीज को हिलाया है जो कि उसके उम्र के इस छोटे लड़के के ध्यान को आकर्षित करती है। हर एक चीज जो कि उसकी उम्र के एक छोटे बच्चे को आकर्षित करती है, मैंने उस चीज को उसके सामने हिलाया है, और वह बस बैठा रहता है और ऊपर घूरता रहता है।'' कहा, ''वह अच्छा नहीं हुआ है।''

49 यह कुछ ऐसी बात है जो कि पिन्तेकोस्तल कलीसिया के सामान है। उनके सामने परमेश्वर ने हर एक वरदान को हिलाया है, और वे अभी भी बैठे रहते हैं और आसमान में घूरते रहते हैं, जैसे कि कुछ गलत हो। मित्रों, यह समय है कि हम जाग जाएं इससे पहले कि देर हो जाए। स्मरण रहे, परमेश्वर तब तक उन वरदानों को नहीं हिलाता जब कि वह आपके ध्यान को आकर्षित करने का यत्न न कर रहा हो।

परमेश्वर एक राष्ट्र में से एक राष्ट्र को निकाल रहा था।

50 ठीक उसी प्रकार से वह अब कर रहा है, दुल्हन को कलीसिया में से बाहर निकाल रहा है, स्त्री के वंश के बचे हुए लोगों को छोड़ रहा है। चुने हुओं को कलीसिया में से बाहर निकाल लिया जाएगा। भौतिक कलीसिया यहां पर क्लेश में जाने के लिए रूकी रहेगी। *चुने हुओं* को कभी कभी ''चुने गए, बचे हुए'' कहा जाता है।

51 आइए देखें कि उसने तब यह कैसे किया था, क्योंकि वह अपने कार्य करने के तरीके को कभी नहीं बदलता है। परमेश्वर के पास कार्य करने के लिए एक तरीका होता है, और वह उसी प्रकार से उस को करता है, और वह हमेशा से सही तरीका होता है। देखें कि उसने यह कैसे किया था, और किस प्रकार से उसने यह किया था, और तब हमें उसे बात की अब झलक देखने

को मिलेगी।

52 निश्चित रूप में मैं प्रतिक्षाया के रूप में बात करता हूँ। मेरे पास कोई शिक्षा नहीं है। मुझे पीछे देखना पड़ता है और यह देखना होता है कि उसने इसे कैसे किया था। और हमें यह बात सिखाई गई है, ''पुराना नियम आने वाली चीजों के लिए प्रतिक्षाया के रूप में था।'' अतः यदि मैंने यहां पर देखा होता और मुझे अपना हाथ दिखाई नहीं पड़ता, और मैंने अपनी हाथ की परछाई देखी होती, और मेरे पास पाँच अंगुलियाँ होती, जब मेरा हाथ यहां पर पहुंचता तो मेरे पास कुछ अच्छा अंदाजा होता कि मेरे पास पाँच अंगुलियाँ हैं। अतः जो उनके साथ हुआ वे बातें हमारे लिए उदाहरण स्वरूप थीं कि परमेश्वर कैसे कार्यों को करता है, उसी प्रकार से वह अब करता है।

53 और जिस प्रकार से वह करता है, वह उस बात से कभी बदलता नहीं है। हर एक बार पूरी बाईबिल में, वह अपने कार्य करने के तरीके को कभी नहीं बदलता है। निरन्तर एक सा बना रहता है, क्योंकि उसका पहला कार्य करने का तरीका सिद्ध होता है। क्योंकि, उसके पास काई और तरीका नहीं होता है, क्योंकि वह सिद्ध है, और उसके सारे तरीके सिद्ध होते हैं। देखें कि उसने इसे कैसे किया था।

54 मूसा को बुलाया गया था और इस कार्य को करने के लिए पहले से ठहराया गया था जो कि उसने लिया था। परमेश्वर...

55 अब, मैं सोचता हूँ, यदि आप इसे क्षमा करेंगे...मैं इस बात को जल्दबाजी में नहीं बोल रहा हूँ। इस मंच पर केवल यही कहता हूँ कि मैं—मैं कुछ नहीं जानता हूँ और पमेश्वर के अलावा कुछ और नहीं जानना चाहता हूँ। अब, मैं सोचता हूँ कि यही वह स्थान हैं जहां पर हमारे अगली वर्षा के भाई उलझन में पड़ गए हैं, समझे, वे एक दूसरे के ऊपर हाथों को रखते हैं और उन्हें भविष्यद्वक्ता और इसी प्रकार से बना देते हैं। अब, यह वचन के अनुसार नहीं है। ''वरदान और बुलाहटें बिना पश्चाताप किए हुए मिलती हैं।'' जिस प्रकार से आप हैं, आप का जन्म उसी प्रकार से हुआ है। आप आरंभ से ही वही हैं, जो कि आप हैं।

56 पिछले दिनों में फरीसियों को देखें। उनके पास बस बहुत थोड़ा सा उजियाला था, क्योंकि वे कर सकते थे...उनके पास व्यवस्था थी, और वे व्यवस्था के अनुसार जीवन को जीते थे, परन्तु नीचे उनके हृदय इतने अधिक काले थे जितना कि वे हो सकते थे।

57 और एक छोटी स्त्री थी जो कि वेश्या थी, उसका...पिछला जीवन जितना अधिक काला हो सकता था, वह था, वह बदनाम थी, परन्तु नीचे हृदय में उसको जीवन के लिए पहले से ठहराया गया था।

58 और फिर जब यीशु वचन में दृष्य पर आया, उन फरीसियों ने कहा, ''यह मनुष्य बालजबूल है।'' उस बात ने क्या किया था। उस ने उस छोटे से उजियाले को जो कि उनके पास में था, काला कर दिया।

59 यीशु ने कहा, ''तुम अपने पिता शैतान से हो, और उसी के कार्य तुम करते हो।''

60 परन्तु जब यह छोटी बुरी स्त्री आई, और उसने परमेश्वर के वचन को देखा, वह जान गई। वह उसे जीती नहीं थी, परन्तु वह जान गई। और जैसे ही उसने उससे बातचीत करी, उसने कहा, ''मैं समझती हूँ कि तू एक भविश्यद्वक्ता है।'' और वह...उसने कहा, ''मैं जानती हूँ कि मसीहा ऐसा करेगा।''

और उसने कहा, ''मैं ही वह हूँ।''

61 उस बात ने क्या किया था? उस बात ने कालेपन को सफा कर दिया था और उसे पूरा सफेद बना दिया था। क्यों? वहां पर एक बीज पड़ा हुआ था, एक पहले से चुना हुआ बीज जो कि अन्दर था...वह जगत की उत्पत्ती से पहले परमेश्वर का विचार था।

62 केवल एक प्रकार का अनंत जीवन है। यदि आप के पास अनंत जीवन है, तब आप स्वयं परमेश्वर के विचार में थे इससे पहले कि संसार की सृष्टि

की जाती। आप उसके विचार के एक गुण हैं, क्योंकि अनंत की न तो कभी शुरूआत हुई और न कभी अंत होगा। आप हमेशा से परमेश्वर की अर्थव्यवस्था के भाग थे। वह बस प्रतिबिम्बित हो रहा है। वह अभी बन रहा है। उनके पास एक और तस्वीर है जिसको की बन कर तैयार होना है, वह मत्यु है, तब प्रतिचित्र असली चित्र बन जाता है, तब आप मसीह की दुल्हन में होते हैं, जैसे कि उसने सोचा था। जैसे कि आज पति और पत्नी हैं, अतः(परमेश्वर) मसीह और कलीसिया एक होगी। अब चुनों हुओं को बुलाया गया है!

मूसा ''एक उपयुक्त बालक'' के रूप में जन्मा था। बाईबिल ने ऐसा कहा था।

63 भविष्यद्वक्ताओं में से जो कि यिर्मयाह। परमेश्वर ने कहा, ''इससे पहले कि तू माँ के गर्भ में आता, मैंने तुझे राष्ट्रों के लिए भविष्यद्वक्ता नियुक्त कर दिया था।''

64 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, क्यों, उसकी पहचान वचन में से की गई। यशायाह ने उसके आने के सात सौ बारह वर्ष पहले यह कह दिया था, ''वह जंगल में पुकारने वाले का शब्द है, 'प्रभु के लिए मार्ग तैयार करो!''' और उसके प्रगट होने के चार सौ वर्ष पहले फिर से हम यह पाते हैं कि मलाकी ने कहा, ''देखो, मैं अपने संदेशवाहक को अपने आगे आगे भेजता हूँ ताकि वह प्रभु के लिए मार्ग तैयार करे।''

65 समझे, वह पहले से ठहराया गया था। और परमेश्वर की सारी कार्य स्थितियां उसी प्रकार से होती थीं, यदि उनकी बुलाहट परमेश्वर के द्वारा होती है।

66 यदि वे इस बात में शिक्षित किए गए हैं, तो वह केवल तोप–चारा होता है, समझे, वह कुछ और नहीं हो सकता है। वह भोजन का टिकट है, तब फिर आप पहलौठे के अधिकार को भोजन मिलने के टिकट के लिए बेच देते हैं, आप किसी संस्था या किसी झुण्ड के साथ जाने के लिए समझौता कर लेंगे। परन्तु यदि वह परमेश्वर की ओर से है, आप किसी भी बात की चिन्ता न करते हुए

वचन पर खड़े रहेंगे, क्योंकि आप उसके साथ खड़े रहने के लिए जन्मे थे।

67 मूसा, कोई भी उसके स्थान पर खड़ा नहीं हो सकता था। कोई और उस कार्य को नहीं कर सकता था। उसको उस कार्य को करने के लिए अभिषिक्त किया गया था।

68 और, भाई और बहन, यदि आपके पास अनंत जीवन है, आप को किसी निश्चित कार्य करने के लिए अभिषिक्त किया गया था। हो सकता है कि वह अच्छी गृहणी का कार्य हो, हो सकता है कुछ और हो, परन्तु कोई भी आप के स्थान को नहीं ले सकता है। परमेश्वर ने आप के लिए एक स्थान को बनाया है। किसी और के स्थान को लेने का यत्न न करें। यह सांसारिक नकलें हैं, समझे, यह इस बांत को दिखाता है कि आप के साथ कुछ गलत है। आप जो भी कुछ हैं, बस ठीक वही बने रहें। कुछ और न बने।

69 अब, अब हम यह पाते हैं कि परमेश्वर ने मूसा को उसके दावे और बुलाहट को सिद्ध करने के लिए चिन्ह दिए थे।

70 और हर एक सच्चा चिन्ह, हर एक सच्चा चिन्ह जो कि परमेश्वर के पास से भेजा जाता है,... उसके पीछे एक आवाज होती है। अब इस बात से चूकिए नहीं। इस बात पर यह मेरा अंतिम पाठ है, समझे। हर एक सच्चा चिन्ह...अब हमारे पास चिन्ह हैं जो कि परमेश्वर के पास से नहीं है; शैतान लगभग सभी चीजों की नकल कर सकता है जो कि होती हैं। परन्तु परमेश्वर की ओर से भेजे गए सच्चा चिन्ह, उसके पीछे एक आवाज होती है।

71 परमेश्वर ने मूसा से कहा, ''यदि वे पहले चिन्ह की आवाज का विश्वास नहीं करते हैं, तब उनके सामने यह दूसरा चिन्ह दिखाना। यदि वे उस बात को नही सुनते हैं, बस पानी को लेना और जमीन पर डाल देना।'' और वह इस बात को चिन्ह होगा कि वे वहाँ पर अपने लहु में पूर्ण रूप से भीग जाएंगे।

72 ध्यान दें, और बस यह वही बात है जेसे कि उसने कही है, ''अपने

पैरों से धूल को झाड़ ले। सदोम और गमोराह को उस दिन ज्यादा सहन कर लिया जाएगा बजाए उस शहर के जो कि तुम्हें अस्वीकार करेगा।''

73 अब हम कलीसिया रूपी खेल नहीं कर रहे हैं। यह कलीसिया है। मसीह कलीसिया है। हम मसीह में हैं। हमारा जन्म मसीह की पौराणिक देह होता है। आप उसमें शामिल नहीं हो सकते हैं।

74 पचपन वर्षों से मैं ब्रन्हम परिवार में रहा हूँ, और उन्होंने मुझे कभी भी उसमें शामिल होने के लिए नहीं कहा। मेरा जन्म ब्रन्हम के रूप में हुआ था।

75 और इसी प्रकार से आप मसीही होते हैं। आप का जन्म मसीही व्यक्ति के रूप में होता है, आप उसमें शामिल नहीं होते हैं। आप का जन्म उसमें होता है। हर एक जन्म से डरता है। उनके पास एक छोटे से हाथ को लेने का एक अच्छा सा साफ सुथरा तरीका होता है, या एक छोटे से कार्ड पर हस्ताक्षर करने का, या एक नमक डालने के डिब्बे को लिया जाता है जिसमें कि कुछ पानी होता है। यह जन्म नहीं है। जन्म एक भयानक बात होती है। जन्म एक बहुत बुरी बात होती है। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ कि यदि वह एक सूअर के रहने के स्थान में होता है, या एक–या भूसे रखने के स्थान में, या गुलाबी रंग से सजाए गए चिकित्सालय के कमरे में; जन्म एक गंदगी है, और आप को अव्यवस्थित कर देता है। आप हार नहीं मानना चाहते हैं, आप को इस बात की, उस बात की या किसी और बात की आवश्यकता नहीं होती है, परन्तु आँसू आपके चेहरे पर लगे हुए रंग को धो डालते हैं और आप को एक भिन्न व्यक्ति बना देते हैं। यदि आप का नया जन्म होता है, यह आप को अव्यवस्थित कर देता है, परन्तु आप एक नए प्राणी के रूप में बाहर आते हैं। समझे? उनको इस बात की आवश्यकता नहीं है। उनको किसी आसान से तरीके की आवश्यकता है, आप जानते हैं, और कोई आसान तरीका नहीं होता है। जैसे की गाने में कहा गया था, उसने कहा, ''मैं प्रभु के ठुकराए हुए लोगों के साथ अपना मार्ग ले लूंगा।'' वह गरम क्यारी में लगे पौधे नहीं बनना चाहते हैं।

आती है।

76 अब यदि एक व्यक्ति देश में एक चिन्ह देता है, या कहीं पर भी चिन्ह देता है, और जो आवाज जो कि वह उसके बाद कहता है वह परमेश्वर का वचन नहीं होती है, तब उसे ध्यान से देखें, उस बात का विश्वास न करें। यदि किसी पुराने विद्यालय में यदि कोई व्यक्ति खड़ा होता है और कहता है, परमेश्वर की ओर से चिन्ह को दिखाता है, और फिर उस व्यक्ति की शिक्षा वही पुराना धर्मशिक्षाज्ञान होता है जो कि आपने इन सब वर्षों में सुना है, परमेश्वर ने उस चिन्ह को कभी नहीं भेजा है। वचन में वापस देखें और यह देखें कि वह क्या बात थी। वचन में ढूढ़ें। वह व्यक्ति वापस आता है और कहता है, ''अब हम सभी इसी में शामिल होना चाहते हैं। यह पुराना स्थापित किया हुआ मामला है।'' आप उस बात पर विश्वास न करें। बस कुछ ही मिनटों में हम उस बात को करने जा रहे हैं, समझे। नहीं, आप उस बात पर विश्वास न करें।

77 परमेश्वर अपने चिन्हों को प्रमाणित करता है। परमेश्वर की ओर से दिए गए चिन्ह हमेशा परमेश्वर की आवाज को बोलते हैं।

78 और यदि यह वही पुराना विद्यालय है जिसमें कि आप गए हैं, वह आपको एक चिन्ह क्यों देगा, आप उस में से पहले से हैं? वह आपको एक कोने में लाने का यत्न कर रहा है। रूकने का चिन्ह! धीमे हो जाएं। देखें कि आप कहां पर जा रहे हैं! यदि आप ध्यान नहीं देंगे तो आप अपने आप को एक कोने में गिरा लेंगे। एक तेज घुमाव है, और इससे पहले कि आप वहां पर घूमें, आप को दुर्घटना से बचाने के लिए हमेशा वहां पर एक चिन्ह होता है। अच्छे सड़क निर्माता चिन्हों को लगाते हैं। और हम महिमा की सड़क पर चल रहे हैं। और यदि चिन्ह उसी पुरानी बात को कहता है, वह परमेश्वर की ओर से नहीं होता है।

79 परमेश्वर अपने लोगों के ध्यान को आकर्षित करने के लिए चिन्हों को देता है। चिन्ह परमेश्वर के लोगों के ध्यान को आकर्षित करने के लिए होते हैं, परमेश्वर के चिन्ह होते हैं। परमेश्वर के चिन्ह परमेश्वर के लोगों को

आकर्षित करने के लिए होते हैं।

80 अब यहां पर जलती हुई झाड़ी भविष्यद्वक्ता को आकर्षित करने के लिए एक चिन्ह था, वह यत्न कर रहा था, क्योंकि भविष्यद्वक्ता परमेश्वर से भाग गया था, और परमेश्वर ने जलती हुई झाड़ी को चिन्ह के रूप में दिया था। और उसने उस विचित्र चिन्ह को देखा था; उसने कहा, ''मैं इस विचित्र चिन्ह को देखने के लिए एक तरफ हटूंगा, कि झाड़ी में आग लगी है और वह जल नहीं रही है।'' अब परमेश्वर अपने भगोड़े भविष्यद्वक्ता के ध्यान को आकर्षित कर रहा था। उसने कोई दूसरा ले लिया होता, परन्तु उसने मूसा को उस कार्य के लिए अभिषिक्त किया था और कोई भी उसके स्थान को ले नहीं सकता था।

81 यात्रा में कुछ और लोगों ने उस कार्य को करने का यत्न किया, आप जानते हैं। दातान खड़ा हुआ और उससे एक संस्था को बनाने का यत्न किया। परमेश्वर ने मूसा से कहा, ''अपने आप को अलग कर ले। मैं बस उन्हें निगल लूंगा।'' समझे?

82 परमेश्वर एक व्यक्ति से व्यवहार करता है। समझे? अब ध्यान दे, वह भविष्यद्वक्ता के ध्यान को आकर्षित करने का यत्न कर रहा था, भविष्यद्वक्ता को उसके सही स्थान में लाने का यत्न कर रहा था, समझे, और उसने जलती हुई झाड़ी को चिन्ह के रूप में दिया।

83 और ध्यान दें, जो आवाज उस चिन्ह के बाद आई, वह आवाज वचन रूपी थी। ''मैंने अपने लोगों की चिल्लाहटों को सुना है, और उनके कठोर अधिकारियों के कारण उनके कराहने को सुना है, और मुझे अपनी प्रतिज्ञा स्मरण है।'' आमीन। मामला वहीं समाप्त हो जाता है। ''मुझे प्रतिज्ञा स्मरण है।'' वह वचन रूपी आवाज थी। ''और मैं तुझे वहां पर भेज रहा हूँ। और मैं उन्हें छुड़ाने के लिए नीचे उतर आया हूँ, और मैं तुझे भेज रहा हूँ।''

84 स्मरण रहे, परमेश्वर किसी व्यक्ति के बाहर कोई कार्य नहीं करता है। आप उस बात को जानते हैं? यही बात लोगों के ठोकर का कारण बनती है।

समझे?

85 उसी बात से वे यीशु के विषय में ठोकर खाए थे। उन्होंने कहा, ''तू मनुष्य है, अपने आप को परमेश्र बना रहा है।'' वह परमेश्वर था, परन्तु वे उस बात को समझ नहीं पाए। ''अच्छा, तू बस एक मनुष्य है।''

86 उसने कहा, ''अच्छा, तुम भविष्यद्वक्ताओं को 'ईश्वर' कहते हो, और तुम्हारी व्यवस्था ने उस बात को पहचान लिया। और यदि तुम उन्हें 'ईश्वर' कहते हो जिनके पास परमेश्वर का वचन आता है, तुम मुझपर कैसे दोष लगा सकते हो जबकि मैं यह कहता हूँ कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ?''

87 समझे, चिन्ह, ध्यान को आकर्षित करने के लिए। और स्मरण रहे, यदि ध्यान आकर्षित होता है, वही पुरानी बात होती है, तो वह परमेश्वर नहीं है।

88 परन्तु परमेश्वर भविष्यद्वक्ता को आकर्षित करने का यत्न कर रहा है, और वह उसे एक चिन्ह देता है, और जो आवाज उस चिन्ह के बाद आई थी, वह वचन रूपी आवाज थी। ''मैंने लोगो को देखा है। मैंने उनकी चिल्लहाटों को सुना है। मुझे अपनी प्रतिज्ञा स्मरण है।''

89 अब परमेश्वर अपने प्रतिज्ञा किए गए वचन के द्वारा बातचीत कर रहा है। उसे अपना भविष्यद्वक्ता भेजना ही है, क्योंकि वचन भविष्यद्वक्ता के पास आता है। बाईबिल ने कहा, परमेश्वर ने स्वयं कहा कि, ''वह बिना अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को पहले प्रगट किए बिना कुछ नहीं करता है।'' समझे? और फिर चिन्ह को दिया जाता है। और वचन की पहचान होती है, वही चिन्ह की आवाज होती है।

90 मूसा की चिन्ह की आवाज को देखें? पहले चिन्ह जलती हुई झाड़ी था; आवाज वचन के रूप में थी।

91 मूसा ने उसे चिन्ह के रूप में लिया, और मिस्त्र गया और उस चिन्ह को करके दिखाया जो कि परमेश्वर ने उसे बताया था; और उस चिन्ह के साथ

एक आवाज थी, और लोगों ने विश्वास किया और वे आ गए। और जब तक वे चलते गए, उन्होंने अच्छा किया; परन्तु जब उन्होंने उस आवाज के विरोध में बड़बड़ाना आरंभ किया, फिर वे रूक गए।

92 स्मरण रहे, इस्राएल ने यात्रा करी थी। क्या आप जानते हैं कि वे कितने अधिक देर आए थे? वे ....पहुंच जाते। वे केवल चालीस मील दूर थे, और उसे पार करने में चालीस वर्ष लग गए। क्यों? क्योंकि उन्होंने उस आवाज के विरोध में बड़बड़ाना आरंभ कर दिया था जिसने की चिन्ह को करके दिखाया था। वे कितना कम इस बात को जानते थे, जब वे तट पर चिल्ला रहे थे, और आत्मा में नाँच रहे थे, और मूसा आत्मा में गा रहा था, वे बस वहां पर से कुछ ही दिनो की दूरी पर थे। परन्तु उन्होंने बड़बड़ाना आरंभ किया, और कुछ भिन्न करना चाहते थे; और वे चालीस वर्षों तक जंगल में रूके रहे, और वहां पर नाश हो गए, यह ठीक बात है, क्योंकि उन्होंने विश्वास नहीं किया था। परमेश्वर ने कहा, ''मूसा, वे तेरे विरोध में नहीं बातचीत कर रहे हैं। वे मेरे विरोध में बातचीत कर रहे हैं।'' वह परमेश्वर की आवाज थी, मूसा की नहीं।

93 अब ध्यान दें, यहोवा अपने प्रतिज्ञा किए गए वचन के द्वारा बात करने जा रहा है, अतः उसे अपने भविष्यद्वक्ताओं को भेजना है। यदि आप इस बात को देखना चाहते हैं, तो यह उत्पत्ति 15:16 में पाया जाता है। हम यह पातें हैं कि परमेश्वर ने इब्राहीम से कहा, ''तेरा वंश पराए देश में परदेशी होकर रहेगा, और मैं उन्हें एक शक्तिशाली हाथ के द्वारा बाहर निकाल लाऊँगा। अब तक अमोरियों का अधर्म पूरा नहीं हुआ है।'' उसने उसको यह सब प्रतिज्ञाएं दी थीं, वह यहाँ पर जलती हुई झाड़ी के द्वारा भविष्यद्वक्ता को आकर्षित कर रहा है।

94 अब यदि जलती हुई झाड़ी ने कहा होता, ''मूसा, परमेश्वर परमेश्वर है।''

''हाँ, मैं विश्वास करता हूँ।''

95 ''ओह, तुम अच्छा कर रहे हो मूसा, बस ऐसा ही करते रहो। तुमने एक अच्छी स्त्री से ब्याह किया है; वह एक सुन्दर लड़की है। निश्चित रूप से एक अच्छा पुत्र भी है! परमेश्वर की महिमा हो!'' वह तो वही पुराना विद्यालय है। समझे?

96 परन्तु वह कुछ करने के लिए तैयार था, अतः उसे एक मनुष्य को आकर्षित करना पड़ा। और उसने उस मनुष्य को करने के लिए दो चिन्ह दिए, और कहा, ''हर एक चिन्ह के साथ आवाज थी।'' यह इस बात को सिद्ध करता है कि ऐसा ही है। अब ध्यान दें कि उन आवाजों ने क्या कहा था, यहां तब कि सृष्टि भी करी। यहोवा बोलने के लिए अब तैयार था।

97 फिर से यह बात है कि एक भविष्यद्वक्ता का आना एक चिन्ह होता है। क्या आप इस बात को जानते हैं? युग के लिए भविष्यद्वक्ता का आना एक चिन्ह होता है।

98 अब मेरा मतलब डिविनिटी के डाक्टर से नहीं है। मेरा मतलब किसी बफादार याजक, या किसी अच्छे व्यक्ति से नहीं है। वे अच्छे लोग हैं। वे परमेश्वर के दास हैं।

99 परन्तु भविष्यद्वक्ता एक चिन्ह होता है। बाईबिल ऐसा यहाँ पर कहती है। और चिन्ह किसका होता है? यह इस बात का चिन्ह होता है कि उसका वचन पूरा होने जा रहा है, इस भविष्यद्वक्ता की आवाज के चिन्ह के द्वारा पूरा होने जा रहा है।

100 ध्यान दें, भविष्यद्वक्ता का आना इस बात की चेतावनी का चिन्ह होता है कि न्याय निकट है। क्या आप उस बात को जानते हैं? न्याय प्रहार करने जा रहा है यदि जमीन पर भविष्यद्वक्ता उपस्थित है।

101 स्मरण रखें, उसे निश्चित रूप में पहले परमेश्वर के द्वारा और उस दिन के वचन के द्वारा प्रमाणित होना होता है, और फिर वह उस चिन्ह को करता है। और फिर उस चिन्ह को देखें, वह क्या भविष्यवाणी करता है।

उसने कहा, ''यदि वह घटित हो जाता है, तब फिर उसकी सुनना।'' गिनती 12:6। ''यदि वह घटित नही होता है, उसे भूल जाना।'' जो चिन्ह वह देता है, उसे वचन के अनुसार होना होता है।

102 और एक बार वह जो चिन्ह के रूप में देता है, यदि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है, वह निरन्तर उसी प्रकार से देता है। ''परमेश्वर का वचन भविष्यद्वक्ताओं के पास आता है।'' वे वचन थे। और जब यीशु आया, वह वचन था। और वचन ने हृदय के विचारों और इच्छाओं को निरन्तर परखा और ऐसा आगे तक होता रहा। अब ध्यान दें।

103 भविष्यद्वक्ता का आना हमेशा इस बात का चिन्ह देता है कि, ''न्याय निकट है।''

104 आइए बस कुछ मिनटों के लिए रूकें। मैं बहुत अधिक समय नहीं लूंगा। आइए अब दो लोगों को देखें, लगभग दस मिनटों के लिए.। बल्कि बाकि के संदेश के लिए, लगभग दस मिनटों तक।

105 नूह, एक भविष्यद्वक्ता जो कि जमीन पर था—जमीन के ऊपर था, जो कि आने वाले न्याय का चिन्ह था। मूसा, एक भविष्यद्वक्ता जो कि जमीन के ऊपर था, आने वाले न्याय का चिन्ह था। ऐल्लियाह, एक भविष्यद्वक्ता जो कि जमीन के ऊपर था, आने वाले न्याय का चिन्ह था। यूहन्ना, एक भविष्यद्वक्ता जो कि जमीन के ऊपर था, इस्त्राएल के ऊपर आने वाले न्याय का चिन्ह था; वे पूर्ण रूप से काट डाले गए थे।

106 चिन्ह की तरफ ध्यान दें! चिन्ह क्या करता है? चिन्ह ध्यान को आकर्षित करता है, और चुने हुओं को तैयार करवाता है, और उन्हें बाहर निकालता है इससे पहले कि न्याय प्रहार करे। यही है वह जो कि नूह ने किया था, उसने चुने हुओं को तैयार किया था। बाकि के लोग, और वह क्या करता है? चिन्ह, और चिन्ह की आवाज, अविश्वासी को दोषी ठहराती है और उन्हें न्याय के लिए तैयार करती है। वह चुने हुओं को बच निकलने के लिए तैयार करता है। यही चिन्ह है। इसीलिए चिन्हों को दिया जाता है, आने वाले

न्याय के लिए। चुने हुओं के लिए, वे उसे देख लेते हैं।

107 जैसे कि एक छोटी सी स्त्री साफ हृदय और दूषित देह के साथ होती है; और फरीसी शुद्ध देह, और एक दूषित हृदय के साथ। यह एक को दोषी ठहराता है, और दूसरे को बचा लेता है।

108 और जिस न्याय ने मूसा को बचाया था, संसार को दोषी ठहराया था; उसके प्रचार ने।

109 वह चुने हुओं को तैयार करता है। चुने हुए किस लिए तैयार होते हैं? जब वे परमेश्वर के द्वारा भेजे गए चिन्ह को देखते हैं, वे वापस वचन में देखते हैं और यह देखते हैं कि क्या उसको वहाँ पर होना है। ''हाँ, यह यहाँ पर है।'' वह क्या बात थी? न्याय जो कि आनेवाला है। फिर चुने हुए उसकी आवाज को सुनते हैं।

110 परन्तु जो चुने हुए नहीं हैं, वे उसपर ध्यान नहीं देते हैं, और कहते हैं, ''बकवास। आगे चलो! हम उसी पुराने विद्यालय की मानेंगे।'' समझे? इसी तरह से उन्होंने लूथर के दिनों में किया था। उसी प्रकार से उन्होंने वेसली के दिनों में किया था। उसी प्रकार से वे–वे अब करते हैं, उसी प्रकार से उन्होंने हमेशा किया है।

111 परन्तु वह एक चिन्ह है, और उसके साथ एक आवाज है जो कि उसके पीछे आती है। और आवाज की पहचान वचन से होती है। अब इस बात को न भूलें। अब उस बात को अन्दर लेते रहें, क्योंकि हो सकता है कि मैं आप को कभी न देखूं।

112 मैं आशा करता हूँ कि मेरे पास एक तरीका होता कि मैं यहाँ कहीं पर आता और अपने सारे भाईयों को लेता, जब उनके पास कोई बेदारी नहीं हो रही होती, एक तम्बू को लगाता और एक दिन के बाद दूसरे दिन तक बैठता, और तब तक सिखाता जब तक–जब तक यह बात अन्दर घर नहीं कर जाती। परन्तु वह इस बात की अनुमति नही देगा, मैं नहीं सोचता हूँ। समझे, हम अंत

के अत्यन्त निकट हैं। मैं विश्वास करता हूँ कि हम ठीक अंत पर हैं।

113 मेरी पुस्तक में जो कि वहां पर अंदर है, जिसको कि मैं लिखता रहता हूँ। 1933 में, एक प्रातः, जब मैं संडे स्कूल जा रहा था, एक बैपटिस्ट संडे स्कूल जहां का मैं याजक था, पवित्र आत्मा आया और मुझे अंत तक दिखाया, और मुझे सात बातें दिखायीं जो कि होने वाली हैं। मैंने उन्हें चिन्हित कर लिया। यह एक पुराने पीले कागज के ऊपर है।

114 मुझे ठीक–ठीक बताया कि जर्मनी कैसे साईगफ्रीड रेखा को बनाएगा, और कैसे अमरीकी वहां पर बहुत बुरी तरह से मारे जाएंगे, इससे पहले की यह रेखा कभी बनती, यह उस बात से ग्याराह वर्ष पहले हुआ था।

115 यह कहा गया था कि कैसे मुसलोनी खड़ा होगा, और वह कैसे ईथोपिया जाएगा, ओर कैसे ईथोपिया ''उसके पैरों पर गिर पड़ेगा।'' और उसकी शर्मनाक मृत्यु होगी, उलट पलट हो जाएगा, और उसके अपने लोग उसपर थूकेंगे।

116 और मैंने कहा, ''तीन वाद हैं। साम्यवाद, फासीवाद और नाजीवाद। वे सभी रूस के बाहर साम्यवाद में समाप्त हो जाएंगे।'' और वह कैथलिकवाद को नाश कर देगा। देखिए कि वह ऐसा करता है कि नहीं!

117 मैंने कहा, ''इतनी अधिक प्रगति होगी!'' मैंने कहा, ''मैं गाड़ियों को सड़कों पर जाते हुए अंडे के आकार में देख रहा हूँ। कारें राजमार्ग पर किसी प्रकार के नियंत्रण से चल रहीं हैं, उन्हें उसे चलाना नहीं पड़ता है। मैंने एक अमरीकी परिवार को कार के पिछले हिस्से में चेकर खेलते हुए देखा।'' ठीक अभी उनके पास यह कार है, यदि उनके पास बस उसे चलाने के लिए राजमार्ग होते। छोटी सी वोल्कसवैगन पूर्ण रूप से अंडे के आकार में है, ठीक उसी प्रकार से है, और बाकी कारें भी वैसी हैं। क्या आप कल्पना कर सकते हैं, कि अभी की तुलना में 1933 में कारें किस प्रकार से दिखती थीं?

118 और उसने फिर से भविष्यवाणी करी, कि स्त्रियों को वोट डालने की

अनुमति देना, और वे क्या करेंगी। और किस प्रकार से यह देश इस्त्राएल की तरह से एक प्रतिक्षाया है, जमीन में आए और उसके रहने वालों को वहां पर से भगा दिया, और उस देश में रहने लगे। और जो पहले थोड़े से राजा जो उनके पास थे, दाऊद और सुलेमान, वे परमेश्वर से डरने वाले राजा थे। कुछ समय के बाद, जब आहाब दृष्य पर आया। वे उसे वोट डालकर अन्दर लाए। कुरसी हो गई...कलीसिया सांसारिक हो गई। और हमारे पास लिंकन और वाशिंगटन हुए, देखिए कि आज क्या है। देखिए कि अब हम कहाँ पर जां रहे हैं। अगली बात क्या है? हम अंत समय पर हैं।

119 और यह चिन्ह है, सांसारिक रूप में, यह बिलकुल ठीक बात है। यह चुने हुओं को तैयार करता है; और अविश्वासीयों को न्याय के लिए दोषी ठहराता है।

120 ''यदि यह भविष्यद्वक्ता सच्चा भविष्यद्वक्ता है, और जो वह कहता है घटित होता है,'' बाईबिल ने गिनतीयों 12:6 में कहा है, ''उसकी चेतावनी को सुनो, क्योंकि यह प्रमाणित हो चुका है कि यह मनुष्य नहीं है।'' एक–एक भविष्यद्वक्ता एक मनुष्य होता है। परन्तु अलौकिक चिन्ह से जो आवाज आती है वह वचन रूपी आवाज है, वह प्रमाणित की हुई है, तब फिर वह एक चेतावनी है।

121 बाईबिल भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा लिखी गई, स्मरण रहे। दूसरा पतरस 1:21 में भी ऐसा लिखा है। ईब्रानीओं 1:1 में भी लिखा है।

122 मूसा के लिए आग का स्तंभ एक चिन्ह था, आवाज बोलने जा रही थी। आग के स्तंभ ने यह दिखाया कि आवाज बोलने जा रही थी। आग का स्तंभ, वह चिन्ह है। आप लोग जो कि ह्यूस्टन से हैं, आप को इस बात को याद रखना चाहिए, इस बात को बहुत दिन नहीं हुए हैं।

123 मूसा, जो कि भविष्यद्वक्ता था, ईस्त्राएल के लिए चिन्ह था, कि प्रतिज्ञा बस लगभग पूरा होने के लिए तैयार थी। जब मूसा आया और एक भविष्यद्वक्ता के चिन्ह को किया, वे ठीक तभी जान गए कि वह उनको एक

साथ एकत्र करेगा।

124 परमेश्वर का वचन क्रम में कितना सिद्ध है, हर एक बार एक सा है। जैसा कि मैंने पिछली रात्रि कहा था, कैसे ऊरीम तुम्मीम और हर एक बात ने हमेशा परमेश्वर का उत्तर दिया है।

125 आईए भविष्यद्वक्ता योना को फिर से लें, बस एक छण के लिए। मेरे पास यहाँ पर योना का पहला अध्याय लिखा हुआ है, उसकी भविष्यवाणी का पहला अध्याय। योना वेल मछली के पेट से आया था, वह एक चिन्ह था। समझे, वे लोग मूर्तिपूजक थे। वे समुद्र के ईश्वरों की उपासना करते थे, और उनका समुद्री देवता वेल मछली थी।

126 अब बहुत से लोग योना को दोषी ठहराने में लगे रहते हैं। मैंने हमेशा से योना का साथ दिया है। योना परमेश्वर की इच्छा के बाहर नहीं था। ''धर्मी जन के कदम प्रभु की आज्ञा से उठते हैं।'' हम यह कहना चाहते हैं, ''वह योना है।'' परन्तु आईए हम उसे बस उस प्रकार से लें...वह किस चीज के योग्य है, एक बार। मैं जानता हूँ कि उसे नीनेवेह जाना था, परन्तु परमेश्वर ने उसे तर्शीश की ओर जाने वाले जहाज पर चड़ा दिया। और उसे समुद्र पर परेशानी होने वाली थी।

127 योना ने कहा, ''मेरे हाथ पैरों को बाँध दो। मैं ही वह हूँ जो परेशानी में हूँ, जिसके कारण यह सब हुआ है।'' और उसे बाहर फेंक दिया। और एक मछली पानी में तैर रही थी, एक बड़ी मछली, जिसने योना को निगल लिया। मैं जानता हूँ कि विज्ञान के लिए इस बात का विश्वास करना मुश्किल है।

128 यहाँ बहुत दिन नहीं हुए, लुईविले, केनटेकी में, लगभग दस वर्ष पहले, उनके पास एक वेल मछली थी जो कि एक–एक मालगाड़ी पर रखी हुई थी। और वहाँ पर एक छोटा रिकि था, उसके पास जितना कि वह नियंत्रण करना जानता था, उससे ज्यादा बुद्धि थी। वह बाईबिल झूठ बोलकर गलत साबित करने का यत्न कर रहा था। उसने कहा, ''आप जानते हैं, तुमने वह पुराने बाईबिल की कहावत को सुना है, कि वेल मछली ने योना को निगल लिया

था।'' उसने कहा, ''देखो, आप उसके गले से एक गेंद तक को नहीं पार करवा सकते हो, वह इतना अधिक छोटा होता है। यह कैसे हो सकता है कि एक पूर्ण रूप से विकसित मनुष्य उसके पेट में चला जाए?'' कहा, ''आप जानते हैं, यह एक पुरानी कहावत है, जैसे की बाईबिल उनसे भरी हुई है।''

129 यह बात मेरी—मेरी सोच से बहुत अधिक थी। मैंने कहा, ''श्रीमान, मैं यहाँ पर कुछ कहना चाहता हूँ।''

कहा, ''आप को क्या कहना है?''

130 मैंने कहा, ''आप समझे, तुमने बाईबिल को सही प्रकार से नहीं पढ़ा है।'' ''बाईबिल ने कहा था कि वह एक विशेष वेल मछली थी। ''परमेश्वर ने एक बड़ी मछली को तैयार किया।'' यह विशेष रूप से तैयार की गई थी, ताकि वह उसको निगल सके, जिसके कारण वह यह कर पाया था! वह एक साधारण मछली नहीं थी। परमेश्वर एक असाधारण कार्य करने जा रहा था, अतः उसने एक असाधारण मछली को लिया।'' समझे? उसने उसके विषय में तब और अधिक नहीं कहा, परमेश्वर के पास एक विशेष चीज थी।

131 जैसे कि एक बार एक छोटी लड़की थी, आराधनालय आ रही थी; उसके छोटे से बाल पीछे की ओर सीधे—सीधे बने हुए थे, जब तक कि उसका चेहरा एक छिली हुई प्याज के सामान लग रहा था। उसके पास बस एक बाईबिल थी, वह जा रही थी।

132 यह बूड़ा व्यक्ति जिसका नाम जिम डारसी था वह उटिका में रहता था। वह अविश्वासी था, एक बूड़ा सिपाही था, और—और वह परमेश्वर में विश्वास नहीं करता था। और उसने कहा, ''युवा महिला, तुम कहाँ जा रही हो?''

उसने कहा, ''श्रीमान, मैं घर जा रही हूँ।''

कहा, ''तुम हाथ में वह क्या पकड़ी हुई हो?''

उसने कहा, ''यह बाईबिल है।''

कहा, ''तुम उसपर विश्वास नहीं करती हो, क्या तुम करती हो?'' और उसने...

कहा, ''हाँ, श्रीमान, मैं विश्वास करती हूँ।''

133 और कहा, ''क्या तुम उसमें एक कहानी पर विश्वास करती हो जो कि वेल मछली का योना को निगल लेने के विषय में है?''

कहा, ''क्यों, निश्चित रूप में, मैं उसके हर एक शब्द पर विश्वास करती हूँ?''

134 उसने कहा, ''तुम उस बात को विश्वास के अलावा किसी और चीज से कैसे सिद्ध कर सकती हो, तुम जिस चीज को विश्वास कहती हो?''

''क्यों,'' उसने कहा, ''जब मैं स्वर्ग में जाऊँगी तो योना से पूछ लूंगी।'' समझे?

उसने कहा, ''तब क्या होगा यदि वह वहाँ पर नहीं हुआ?''

135 उस लड़की ने कहा, ''तब फिर तुम्हें उससे पूछना पड़ेगा।'' अतः मैंने सोचा यह बात उसे सीधा करने के लिए बहुत अच्छी थी। अतः मैं सोचता हूँ कि वह ठीक बात है।''

136 यदि बाईबिल ने कहा कि योना ने मछली को निगल लिया, मैं उस बात पर विश्वास करूंगा। वह उसे तैयार कर सकता है। जो परमेश्वर ने कहा, परमेश्वर उसे कर सकने योग्य है, और वह हमेशा अपने वचन को पूरा करता है। अतः योना, हम उसका मजाक उड़ाते हैं...

137 परन्तु क्या आपने कभी एक मछली की ओर ध्यान दिया है जब वह

तैर रही होती है? वह अपने भोजन का शिकार कर रही होती है। और जब वह खा लेती है, वह अपने छोटे से तैरने के अंगो को नीचे जाकर विश्राम देती। अपनी अपनी स्वर्ण मछली को भोजन दें और देखें कि क्या होता है। वे अपने पेट को भर लेती हैं, और फिर वे नीचे जाती हैं और अपने तैरने के अंगों को ठीक नीचे जाकर उसके सहारे रखती हैं, और वहाँ पर पड़ी रहती हैं और आराम करती है।

138 अच्छा, यह बड़ी सी तैयार की गई मछली आती है और इस भविष्यद्वक्ता को निगल लेती है। और वह समुद्र में नीचे चला जाता है, और शायद दो सौ चालीस फुट नीचे गहराई में चला जाता है। समुद्र के निचले हिस्से में आराम करने के लिए वह ठीक नीचे गया।

139 अब हम हमेशा योना के विषय में सोचते रहते हैं। और सभी कहते हैं, ''अब मेरे लिए प्रार्थना हुई, परन्तु मेरा हाथ कुछ अच्छा नहीं हुआ। मेरे लिए प्रार्थना हुई, परन्तु मुझे और अच्छा नहीं लग रहा है।'' क्या आप कभी योना के ऊपर चिल्लाते हैं।

140 अब उसके लक्षणों को देखें जो कि उसके पास थे। अब, पहले स्थान में वह एक तूफानी समुद्र में बाहर था, और वह उस मार्ग से हटा हुआ था जिस पर परमेश्वर ने उसे भेजा था। उसके हाथ और पैर बंधे हुए थे। उसको तूफानी और प्रचण्ड समुद्र में डाल दिया गया था, और एक वेल मछली ने उसे निगल लिया था और वह ठीक समुद्र के निचले हिस्से में चला गया था। और वह वहाँ पर वेल मछली के पेट में उसकी उलटी में पड़ा हुआ था, उसकी गर्दन के चारों ओर समुद्री जंगली पौधे लिपटे हुऐ थे। और यदि वह *इस* ओर देखता, तो वहाँ पर वेल का पेट था। वह उस ओर देखता, वहाँ पर वेल का पेट था। हर एक स्थान पर जहाँ पर वह देखता था, वहाँ पर वेल मछली का पेट था। आप लक्षणों के मामले के विषय में बात करते हैं, हो सकता है कि उसके पास वे थे। परन्तु आप जानते हैं कि उसने क्या कहा? उसने कहा, ''वे धोखे की व्यर्थ वस्तुएं हैं। मैं उनकी ओर और अधिक नहीं देखूंगा, परन्तु एक बार फिर से मैं तेरे पवित्र मंदिर की ओर देखूंगा।''

141 क्योंकि सुलेमान, जो कि इस पृथ्वी का शारीरिक मनुष्य था, जिसने मंदिर को समर्पित करते हुए यह प्रार्थना करी थी, उसने कहा, ''प्रभु, यदि तेरे लोग परेशानी में कहीं पर भी हो, और इस पवित्र स्थान की ओर देखें, तब स्वर्ग से उनकी सुनना।''

142 और योना को उस प्रार्थना पर विश्वास था जो कि सुलेमान ने करी थी। और परमेश्वर ने उसे तीन दिन और तीन रात्रि के बाद वेल मछली से छुड़ाया। हो सकता है उसने वहाँ पर आक्सीजन तम्बू लगा दिया हो। मैं यह नहीं जानता हूँ कि उसने क्या किया था, परन्तु उसने उसको तीन दिन और तीन रात्रियों तक जिन्दा रखा, वचन के अनुसार। और वचन सत्य है।

143 अच्छा, यदि योना उन परिस्थितियों में फिर से उस आराधनालय कि ओर देख सकता था जो कि मनुष्य ने बनाया था, आज रात्रि मुझे और आपको कितना अधिक उस मंदिर की ओर देखना चाहिए जहाँ पर यीशु सर्वशक्तिमान के दाहिने हाथ पर अपने लहु के साथ में खड़ा हुआ है, हमारे अंगीकार करने पर हमारे लक्षणों के ऊपर बिचवई का कार्य कर रहा है! योना को दोषी न ठहराएं, और फिर उसकी ओर देखें कि आप के साथ में क्या गलत है। प्रतिज्ञा की ओर देखें, ''परमेश्वर ने ऐसा कहा है!'' यदि आप ईब्राहीम की संतान है, ''परमेश्वर ने ऐसा कहा है!'' उसने प्रतिज्ञा करी है, और मामला बस वही समाप्त हो जाता है।

144 ध्यान दें, सभी लोग बाहर मछली पकड़ने गए थे, और अपने जाल को और चीजों को खींच रहे थे। कुछ समय के बाद, समुद्री देवता ऊपर आया, जो कि वेल मछली थी, जो कि तट की ओर तेजी से जा रही थी। सभी अपने घुटनों पर गिर गए। परमेश्वर जानता है कि चीजों को कैसे करना है। और वह ठीक तट तक गई और अपनी जुबान बाहर निकाली, और, जब उसने यह किया, वेल मछली के मुँह से सीधे बाहर भविष्यद्वक्ता चलता हुआ आया। भविष्यद्वक्ता! उस ईश्वर ने भविष्यद्वक्ता को ठीक तट पर उगल दिया। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है कि उन्होंने पश्चाताप किया। समझे?

145 वह एक चिन्ह था। योना का वेल मछली के द्वारा छुटकारा होना, एक

चिन्ह था। उसने क्या किया था? वह परमेश्वर की ओर से चिन्ह था। आवाज ने क्या कहा था? ''पश्चाताप करो अन्यथा चालीस दिन में नाश हो जाओ।'' परमेश्वर का चिन्ह; परमेश्वर की आवाज! हमेशा, जब परमेश्वर चिन्ह को भेजता है, परमेश्वर उसके पीछे अपनी आवाज को उसके पीछे भेजता है। ध्यान दें, ''पश्चाताप करो, अन्यथा चालीस दिन में यह सारा शहर नाश हो जाएगा।''

146 यूहन्ना भविष्यद्वक्ता का पृथ्वी पर प्रगट होना, चार सौ वर्षों तक बिना भविष्यद्वक्ता के होने के बाद; उसके प्रगट होने का चिन्ह जो कि चार सौ वर्षों के बाद आया। वह छोटा सा ढीलाई का समय!

147 अब यदि आप आत्मिक हैं तो आप उस बात को पकड़ लेंगे जो मैं कह रहा हूँ। यह कितनी देर के बाद हुआ!

148 चार सौ वर्षों के बाद, ईस्त्राएल बिना भविष्यद्वक्ता के था, कलीसिया में इतनी अधिक गड़बड़ीयां हो गईं थीं, और फिर यहाँ पर दृष्य पर युहन्ना आता है। यूहन्ना भविष्यद्वक्ता था, एक उस बात का चिन्ह था कि मसीहा उसके बाद बोलने जा रहा है। ध्यान दें। क्योंकि मलाकी 3 ने कहा, ''मैं अपने संदेशवाहक को अपने आगे आगे भेजता हूँ, ताकि मेरे लिए मार्ग को तैयार करे, लोगों को तैयार करे।''

149 यूहन्ना को देखें, उसके अंदर कोई स्वार्थ नहीं था। उसने कभी कोई महिमा नही ली। उन्होंने उसे मसीहा कहने का यत्न किया; परन्तु उसने कहा, ''मैं उसकी जूती उठाने के योग्य नहीं हूँ।''

150 परन्तु जैसे ही यीशु प्रगट हुआ, उसके पास एक चिन्ह था, आग का स्तंभ, उसके ऊपर एक उजियाला था, जैसे कि एक पिंडुक नीचे आया और कहता है, ''यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमें मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ।''

151 ध्यान दें, और यूहन्ना ने एक दम से कहा, ''उसको बढना चाहिए। मुझे घटना चाहिए।'' कलीसिया को उसने मसीह को उपहार स्वरूप दे

दिया। आमीन।

152 हमें यह बताया गया है कि अंतिम दिनों में, ऐसा फिर से होगा! एक संदेश आएगा, जो कि लोगों की मुलाकात मसीह से करवाएगा। और वह इस प्रकार से होगा, वे उसी प्रकार से आवाक रह जाएंगे जैसे कि वे तब हुए थे। उसने इसकी प्रतिज्ञा करी है। मत्ति का अगला अध्याय, मलाकी का, हमें उसके विषय में बताता है। ध्यान दें।

153 उन्होंने उसके विषय में पूछा था। यूहन्ना के स्वभाव ने उसकी पहचान एल्लियाह की आत्मा के रूप में करी। अब दो भविष्यद्वक्ताओं पर ध्यान दें।

154 अब, एल्लियाह वह व्यक्ति था जो कि ईस्त्राएल के समय में गड़बड़ी में खड़ा हुआ था।

155 आहाब राजा था। और सभी स्त्रियों ने ईजाबेल की नकल करी थी, और शायद वाटरहैड बाल कटवाए थे और सभी कुछ किया था, शायद जिस प्रकार से हम आज करते हैं। और सभी ईजाबेल की तरह से हो गए थे। और याजकों ने सोचा, ''वह बस एक ठीक बात है। उन्हें अकेला छोड़ दो। उन्हें करने दो।''

156 और उस समय परमेश्वर ने एल्लियाह नामक एक व्यक्ति को जंगल से खड़ा किया। हम यह तक नहीं जानते हैं कि वह कहाँ से आया था। उसकी पहचान करने के लिए कोई विद्यालय नहीं था। परन्तु वह खड़ा हुआ, और उसने उन सभी चीजों की निन्दा करी। उसने सारे ढाँचे की निन्दा करी।

157 यदि वह आज दृष्य पर आता, वह हमारे ढाँचे की भी निन्दा करता।

158 उसने हर एक ईजाबेल को दोषी ठहराया। और अंत में, यह वही स्त्री थी जिसने की भविष्यद्वक्ता को तोड़ दिया। यूहन्ना की तरह बाहर भगा दिया; वह जूनीपर के वृक्ष के नीचे लेटा हुआ था जब ईजाबेल उसे मारने जा रही थी। वह उससे घृणा करती थी।

159 और फिर हम यह पाते हैं कि जब यूहन्ना जो कि जंगल से प्रेम करनेवाला था, जंगल से फिर से बाहर आया, एक उन आद्युनिक स्त्रियों के लिए एक सीधा सा संदेश लेकर आया जो कि तलाकशुदा होकर ब्याह करके रह रही थीं, और उनका फिर से ब्याह हुआ था, उसने उन चीजों के काट कर टुकड़े कर डाले। वह किसी विद्यालय से नहीं आया था। वह परमेश्वर के पास से आया था, वह परमेश्वर के द्वारा भेजा गया मनुष्य था। और उसने आधुनिक स्त्रियों को दोषी ठहराया, उनके बहुत अधिक विरोध में था, ओर उसने किसी को नहीं छोड़ा। परन्तु उसने सफाई से कहा, ''समय निकट है, मसीहा बोलने वाला है।'' उस चीज को देखें।

160 अब ऐल्लियाह के पहले आगमन के समय को आज के आधुनिक भविष्यद्वक्ताओं से तुलना करें, जो कि अपनी ईजाबेलों को बाल काटने दे रहे हैं, और निकरें पहनने दे रहे हैं, धूम्रपान करने दे रहे हैं, जो भी कुछ वे करना चाहती हैं उन्हें करने दे रहे हैं, उनकी अगुवाई कर रहे हैं। अच्छा होगा कि कुछ न कहो, वह उसको छोड़ देगी और किसी दूसरे को ले लेगी। उनकी अगुवाई मनुष्य के द्वारा बनाए गए मतों से कर रहे हैं; यह शर्म की बात है, मनुष्यों के मत। और ऐसा करने के द्वारा, वे परमेश्वर की आज्ञाओं को बिना किसी प्रभाव के बना देते हैं, क्योंकि वे कलीसिया में शामिल हो सकते हैं अभी भी मसीह बनने का ढोंग कर सकते हैं, और अपने अधिकारों को थाम सकते हैं और यह कहते हैं कि वे मसीही हैं, और ऐसा करते रहते हैं। यही वह चीज है जिसकी उन्हें आवश्यकता है। ऐसा ही उन्होंने तब किया था।

161 परन्तु स्मरण रखिए, इसी प्रकार के समय में ही परमेश्वर ने मलाकी 4 में प्रतिज्ञा करी है, कि वह अपने वचन को फिर से पूरा करेगा। यह ठीक बात है। देखिए कि हम आज कहाँ पर हैं, ठीक वैसे ही जैसे कि यूहन्ना के समय में था, ठीक वैसे ही जैसे कि दूसरे समयों में था।

162 इस छोटे से आमोस को खड़ा होते देखिए, वह एक छोटा सा बूढ़ा व्यक्ति था। हम यह नहीं जानते हैं कि वह कहाँ से आया था। वह एक चरवाहा था। परमेश्वर उसे बाहर भेड़ के चराने के स्थान में और गाय के चराने के स्थान में ले जाता था, और, और उसका प्रशिक्षण कर रहा था। और जब

वह सामरिया आया, और उस दिन जब वह खड़ा हुआ और उस पहाड़ी पर खड़ा हुआ, उसने नीचे देखा। और सूरज उसके गंजे सिर पर चमक रहा था, और उसकी मूँछे सफेद हो गई थी, और उसकी आँखें एक ओर देख रहीं थीं और चमक रहीं थी। उसकी भक्तिपूर्ण आँखों ने पलक झपकी, उन दृष्यों इस कारण से नहीं जो कि सैलानी देख रहे थे जैसे जैसे वे अन्दर आ रहे थे, परन्तु इस कारण से क्योंकि सारा शहर पाप में चला गया था।

163 यह छोटा सा व्यक्ति कौन है जिसकी कोई पहचान नहीं है? हाँ, वह आमोस था, जो कि भविष्यद्वक्ता था। उसने दूसरे यारोबाम जो कि स्वधर्मत्यागी था, लोगों को कुछ भी करने देता था, के समय में भविष्यवाणी करी थी। याजक सभी उसमें शामिल थे। उन्होंने सबसे अच्छे गिरजों को निर्माण किया। उनके पास सबसे अच्छे कपड़े थे। उनकी स्त्रीयाँ अनैतिक थीं। वे जिस प्रकार से चाहते थे उसी प्रकार से कपड़े पहनते थे। पर्यटक सभी तरफ से उन सुन्दर स्त्रियों को और जिस प्रकार से वे व्यवहार कर रही थीं, देखने के लिए आए थे।

164 बस एक और आधुनिक संयुक्त राष्ट्र अमेरिका था, वे परमेश्वर के लोग कहलाते थे। कोई भी उसके विषय में कुछ नहीं कहता था। इस बात ने लोगों को इतनी मजबूती से पकड़ रखा था।...

165 आज अट्ठाराह वर्ष की है! मेरी रेबेका आज अट्ठाराह वर्ष की है। अट्ठाराह वर्ष, मैंने राष्ट्रों को इन बातों की निन्दा करते हुए पार किया है। और जब मैं वापस आता हूँ, एक वर्ष के बाद दूसरे वर्ष उससे भी ज्यादा बाल कटी हुई स्त्रियाँ हो जाती हैं जितना की मैंने पहली बार आरंभ किया था।

166 एक महान पिन्तेकोस्तल प्रचारक मुझे एक कमरे में ले गया, लगभग एक वर्ष पहले, वह एक अच्छा, विख्यात और सारे संसार में प्रसिद्ध व्यक्ति था। उसने कहा मैं...''भाई ब्रन्हम, मुझे आपके ऊपर हाथ रखने दें और प्रार्थना करने दें।''

मैंने कहा, ''मैं बीमार नहीं हूँ।''

167 उसने कहा, ''परन्तु कुछ बात गलत है।'' उसने कहा, ''भाई ब्रन्हम, आप अपनी सेवकाई का नाश कर लेंगे। कोई भी सहयोग नहीं देगा। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है कि प्रचारक आपको सहयोग नही देंगे; जिस प्रकार से आप उन स्त्रियों को दोषी ठहराते हैं।''

उसने कहा, ''वे लोग आप को भविष्यद्वक्ता कहते हैं।''

मैंने कहा, ''मैंने–मैंने कभी नहीं कहा कि मैं हूँ।''

168 उसने कहा, ''परन्तु वे सोचते हैं कि आप हैं।'' उसने कहा, ''मैं उसी बात पर विश्वास करता हूँ।'' उसने कहा, ''आप को बिमारों के लिए प्रार्थना करने के लिए बुलाया गया था।'' उसने कहा, ''बिमारों के लिए प्रार्थना करिए, और उन स्त्रियों को अकेला छोड़ दें। आप उन की भावनाओं को चोट पहुँचाते हैं।''

मैंने कहा, ''कैसे?''

169 उसने कहा, ''आप उन के विषय में उनके बाल कटवाने और चीजों के लिए बोलते हैं।''

मैंने कहा, ''यह गलत है।''

170 बाईबिल ने कहा, ''एक स्त्री जो कि बाल कटवाती है, उसके पति के पास यह अधिकार है कि वह उसे तलाक देकर अलग कर दे।'' यह बिलकुल ठीक बात है।''वह अपने सिर का अपमान करती है।'' यही वह बात है जो कि बाईबिल ने कही है। अब मैं यह नहीं जानता हूँ कि आप को यह अच्छा लगता है कि नहीं, परन्तु ऐसा ही बाईबिल ने पहले कुरिन्थियों में कहा है।

171 (टेप में रिक्त स्थान–संम्पा)... खाल से चिपकी हुई जब तक कि खाल बाहर आ जाती है। और फिर वे–वे आते हैं और कहते हैं, ''क्यों, श्रीमान ब्रन्हम, वे उसी प्रकार के कपड़ों को बेचते हैं।''

172 अभी भी उनके पास वे चीजे हैं और सिलाई मशीने हैं। कोई बहाना नहीं है। अमीशी और डनकर्ड स्त्रियाँ अभी भी उनको पहनती हैं। निश्चित रूप से।(सभा ताली बजाती है—संम्पा)

और क्या होता है? वे वहाँ बाहर जाती हैं और वैसे कार्य करती हैं।

173 एक स्त्री ने कहा, ''अच्छा, श्रीमान ब्रन्हम, मैं हाफ पैन्टें नहीं पहनती हूँ। मैं...पहनती हूँ'' वे क्या हैं, पेडल पु...(एक भाई कहता है, ''पेडल पुशर्स।''—संम्पा) हाँ। कहा, ''मैं उन्हें पहनती हूँ।''

174 मैंने कहा, ''वह और भी बुरी बात है।'' मैंने कहा, ''बाईबिल कहती है, 'पुरूषों के कपड़े पहिनना एक स्त्री के लिए घृणित बात है।''' और संयुक्त राष्ट्र में अभी किस प्रकार के घृणित से दिखने वाले दृष्य हैं! समझे? यह ठीक बात है।

175 बहन मुझे आप को कुछ बताने दें। हो सकता है कि आप अपने पति के प्रति और अपने लड़के मित्र के प्रति कुमुदिनी के जैसे शुद्ध हों, परन्तु न्याय के दिन आप को व्याभिचार करने के लिए उत्तर देना होगा। यीशु ने कहा, ''जो कोई एक स्त्री पर कुदृष्टि डालता है, वह उससे पहले ही व्याभिचार कर चुका।'' यदि उस पापी ने आप को देखा, और उस स्त्री को न्याय के दिन उत्तर देना होगा। आप ने अपने आप को उसके सामने प्रस्तुत किया।

176 क्यों एक भक्तिपूर्ण स्त्री उस प्रकार से कपड़े पहिनना चाहेगी? तब फिर आप यह दावा करती हैं कि आप को पवित्र आत्मा मिला है क्योंकि आप ने अन्य—अन्य भाषा में बात करी है और फर्श पर ऊपर और नीचे कूदी हैं? कि, हालाँकि, मैंने मूर्तिपूजकों को वैसे करते देखा है, हौटेनटौट जाति को वैसा करते देखा है। पवित्र आत्मा शुद्धता, पवित्रता और अदूषित होना है। निश्चित रूप से।

177 इस व्यक्ति ने कहा, ''यदि तुम हो...वे यह विश्वास करते हैं कि आप भविष्यद्वक्ता हैं। आप उन्हें यह क्यों नहीं सिखाते हैं कि महान आत्मिक

वरदान कैसे प्राप्त किए जाते हैं, और परमेश्वर के लिए कैसे चीजों को किया जाता है? आप उन्हें यह क्यों नहीं सिखाते हैं यदि आप भविष्यद्वक्ता हैं?''

178 मैंने कहा, ''मैं उन्हें बीजगणित कैसे सिखा सकता हूँ यदि वे अपने ए,बी,सी को नहीं सीखते हैं?'' आप जानते हैं कि ए, बी, सी का क्या अर्थ है? हमेशा मसीह पर विश्वास करो। आप यह कैसे करने जा रहे हैं? समझे, आप बजाए *यहाँ* नीचे से आरंभ करने के *वहाँ* ऊपर पहुँचना चाहते हैं।

179 परमेश्वर अपनी कलीसिया को यीशु मसीह रूपी बुनियाद पर बनाएगा, और वह बाईबिल है। उस चीज के बाहर, सारी जमीने ढहती हुई बालू हैं। परमेश्वर बदलता नहीं हैं। उसका स्वभाव बदलता नहीं है।

180 उसने स्त्री को पुरूष से भिन्न बनाया, और पुरूष को स्त्री से भिन्न बनाया। उसने उनको भिन्न कपड़े पहनाए, और वह चाहता है कि वे वैसे ही बने रहें। समझे? स्त्री पुरूष के सामान दिखना चाहती हैं, और पुरूष स्त्री के सामान दिखना चाहता है। ओह मेरे परमेश्वर! इतनी अधिक उदृण्डता! यह है...और सारी चीजें इस प्रकार से दिखती हैं कि उन बातो ने लोगों के ऊपर अपनी पकड़ बना ली हो, और आप उसे नहीं बदल सकते हैं। यह एक बड़े राक्षस के सामान लगता है, एक बड़े से कालेपन की तरह लगता है; यदि आप आत्मा में इस बात को समझ पा रहें कि मैं किस के विषय में बात कर रहा हूँ। एक राक्षस ने उन्हें जकड़ लिया है, और वे–वे बस उससे अलग नहीं हट सकते हैं; बहुत अधिक हालीवुड, बहुत अधिक टेलीवीजन, बहुत अधिक दूसरी बकवास चीजें। हर एक चीज जो कि हमारे पास में हैं दूषित हैं। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है, ''यदि कार्य को चुनों हुओं के कारण बीच में नहीं रोका जाए, कोई भी देह बच नहीं पाएगी।''

181 आप कहते हैं, ''मैंने उस बात को पहले नहीं जाना था।'' अच्छा, अब आप उसे जानते हैं, अभी से आप उसे जानते हैं। समझे? वह...बेहतर होगा कि मैं रूक जाऊँ। आईए हम पीछे चलें। ध्यान दें।

182 यूहन्ना चिन्ह था। और उस बात को स्मरण रखिए, जिस प्रकार से

परमेश्वर ने उस बात को पहले किया था, उसी प्रकार से वह उसे फिर से करेगा। उसने प्रतिज्ञा करी है। अब, परमेश्वर ने कभी भी, किसी भी समय ऐसे कार्यों के लिए लोगों के झुण्ड का उपयोग नहीं किया।

183 स्मरण रहे, एक समय एक झुण्ड था, एक महान व्यक्ति था जिसका नाम आहाब था, उसने...लिया, उसने अपने लिए चार सौ ईस्त्राएली भविष्यद्वक्ता लिए। उन सभी के पास उनकी डिग्रीयाँ और सभी कुछ था, महान विद्यालय था।

184 एक भक्तिपूर्ण मनुष्य था जिसका नाम यहोशापात था, जो कि यहूदा का राजा था, और वह नीचे आया। और यही वह स्थान होता है जहाँ पर एक विश्वासी अविश्वासी के साथ मिल जाता है। गलत चीजें हुई।

185 और उसने कहा, ''रामोत–गिलाद''। अब इस को ध्यान से देखें, यह कितना अधिक सत्य हो सकता है। उसने कहा, ''रामोत–गिलाद वहाँ ऊपर हमारा है। वहाँ देश के ऊपरी भाग में, वह हमारा है।'' यहोशू ने जमीनों का बटवारा करते समय उसको ईस्त्राएल को दिया था। और फिलिस्तीन, मूर्तिपूजक, वे आए और उनसे वह ले लिया। उसने कहा, ''वह हमारा है।''

186 अब देखें कि कैसे मूल रूप में लोग ठीक हो सकते हैं और फिर भी उस बात से चूक जाते हैं। वह चीज वास्तव में ईस्त्राएल की थी। परन्तु परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञाएं, भाई, वे शर्तों पर होती हैं, समझे, ''यदि वे प्रभु के समक्ष चलते हैं।''

187 अब यहाँ पर देखें। उसने कहा, ''क्या तुम मेरे साथ वहाँ ऊपर जाओगे, और उस जमीन को वापस लेने में मेरी सहायता करोगे? अच्छा, वह, वे फिलस्तीनी बच्चें अपने पेटों को वहाँ पर उस गेहूँ से भर रहे है जो कि ईस्त्राएल का है।'' यह वचन के अनुसार ठीक है। उसने कहा, ''ऊपर जाने में और उन्हें हराने में मेरी सहायता करो।''

188 कहा, ''अच्छा, मेरे...'' वहाँ पर उसने जल्दबाजी में एक गलती करी।

''मेरे रथ तेरे हैं, मेरे व्यक्ति वही हैं जो कि तेरे हैं। मैं तेरे साथ जाऊँगा।''

189 और फिर यहोशापात सोचने लगा, आप जानते हैं। ''एक बात कहूँ, क्या इससे पहले कि हम जाऐं, हमें प्रभु से नहीं पूछना चहिए?''

190 ''ओह, हाँ बिलकुल।'' आहाब ने कहा, ''निश्चित रूप से। मुझे क्षमा करें। मुझे–मुझे उसके विषय में सोचना चहिए था।''

''क्या कहीं पर कोई भविष्यद्वक्ता नहीं है?''

191 ''ओह निश्चित रूप से। मेरे पास है–मेरे पास वहाँ पर सेमनरी उनसे भरी हुई है, वे उन सभी से अच्छे हैं जो कि आपने कभी देखें हैं। वे सभी सबसे अच्छे कपड़े पहनते हैं। वे अच्छी प्रकार से संवारे गए विद्वान हैं। मैंने उनको बहुत अच्छी प्रकार से शिक्षा दी है। हम जाएंगे और उन्हें ले आएंगे।''

192 अतः वे वहाँ पर गए। और वे सभी एक साथ हो गए। वे पाखंड नहीं कर रहे थे। उन्होंने प्रार्थना और प्रार्थना और प्रार्थना करी, जब तक कि उनको एक दर्शन न आ गया।

193 फिर वे आए। और उनमें से एक ने लोहे से दो बड़े सींग बनाए। उसने कहा, ''इसके द्वारा तुम फिलिस्तरओं को मार गिराओगे, या असीरीयों को देश के ठीक बाहर मार कर निकाल दोगे।'' उसने कहा, **''यहोवा यों कहता है।** ऊपर जाओ, प्रभु आपके साथ है।'' उनमें से हर एक एक साथ फिर आत्मा में आ गए। ईस्त्राएली भविष्यद्वक्ताओं ने कहा, ''ऊपर जाओ, प्रभु आप के साथ में है।'' आप कहते हैं, क्या यह बात वचन के अनुसार है? ''परमेश्वर ने यह संपत्ति लोगों को दी है, और शत्रु के पास वह है। तुम्हारे पास उसे लेने का अधिकार है।''

अब, पिन्तेकुस्त, मैं चाहता हूँ कि आपको यहाँ पर एक पाठ मिले।

194 परन्तु, यहोशापात ने, भक्तिपूर्ण मनुष्य होने के कारण उसने कहा,

''अभी भी कुछ थोड़ा सा गलत है।'' कहा, ''क्या तुम्हारे पास एक और नहीं है?''

195 ''चार सौ अच्छी तरह से प्रशिक्षित भविष्यद्वक्ताओं के वहाँ पर खड़े होने के बावजूद, एक और?'' जितने भी इस नीचे वाले फर्श पर यहाँ पर खड़े हुए हैं। ''एक ही मत के साथ खड़े हुए हैं और कह रहे हैं, **'यहोवा यों कहता है।''** वापस मुड़ते हैं ओर कहते हैं, 'यहोशू ने वह जमीन हमें दी थी। वह हमारी है। जाओ उसे ले लो!''

196 परन्तु यहोशापात ने एक और व्यक्ति की माँग करी। कहा, ''क्या कोई और नहीं है जिसके द्वारा हम परमेश्वर से पूछ सकते हैं?''

197 उसने कहा, ''ओह, एक और है, परन्तु,'' कहा, ''मैं उससे घृणा करता हूँ।'' ऊह–ऊह। कहा, ''वह मीकायाह है, जो कि ईमला का पुत्र है।'' कहा, ''मैं उससे घृणा करता हूँ। वह हमेशा मेरे लिए बुरी बातें कहता रहता है।''

उसने कहा, ''राजा को वैसा न कहने दो। जाओ उसे ले आओ।''

198 फिर उन्होंने कुछ संदेशवाहकों को वहाँ पर भेजा। और उनमें से कुछ ने कहा, ''अब, मिकायाह, मैं तुझे कुछ बताना चाहता हूँ। अब, तू जानता है कि बहुत दिन नहीं हुए उन्होंने तुझे सहभागिता से बाहर कर दिया है, क्योंकि तू हमेशा लोगों के लिए बुरी बातें बोलता रहता है। अब यदि तुझे अपनी सहभागिता का कार्ड वापस चाहिए, जो बातें वे कहते हैं, तू उन्हीं बातों को बोलना, और, ओह, वे बस तुझे ठीक अपने हाथों के नीचे ले लेंगे।''

199 परन्तु ऐसा हुआ कि वह वास्तव में भविष्यद्वक्ता था। उसने कहा, ''प्रभु परमेश्वर के जीवन की शपथ, मैं वहीं कहूँगा जो कि परमेश्वर मेरे मुँह में डालता है।'' ओह! परमेश्वर उस व्यक्ति को आशीष दे। उसने कहा, ''आज रात्रि तक रूका रहे, और मैं देखता हूँ कि प्रभु मुझे क्या बताता है।''

200 अगले प्रातः उसने कहा, ''तुम ऊपर जाओ, परन्तु मैंने ईस्राएल को

बिना किसी चरवाहे के तितर बितर देखा है।'' फिर उसने अपना दर्शन लिया और उससे मिलाया जो कि ऐल्लियाह ने कहा था कि आहाब के साथ क्या हुआ था। वह उस चीज को कैसे आशीष दे सकता था जिसे श्रापित किया जा चुका है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कितना...

201 हम भक्तिपूर्ण राष्ट्र हैं। पिन्तेकोस्तल कलीसिया, बैपटिस्ट और मेथोडिस्ट, और ऐसी ही कलीसियाएं, मसीही कलीसिया हैं, परन्तु आप उस चीज को कैसे आशीष दे सकते हो जो परमेश्वर ने श्रापित करी हो? मैं यह परवाह नहीं करता हूँ, आप कहते हैं, ''मैं—मैं *इसमें* शामिल हुआ हूँ। मैंने यह किया है।'' इस बात का उससे कुछ भी लेना देना नहीं है। देखिए कि आप ने क्या किया है। पिन्तेकुस्त को देखें, कैसे उन्होंने किसी बात पर कोई रोक नहीं रखी। देखिए कि आप क्या हुआ करते थे, और देखिए कि आप अब क्या हैं। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं नहीं है, आँखें, उनकी आँखें अंधी हो चुकी हैं।

202 फिर उसने, आहाब ने...इस याजक ने उसके गाल पर चाँटा मारा। और कहा, ''उसे रखो,'' और आहाब ने कहा, ''उसे अंदर वाले जेल में डाल दो। जब मैं चैन से वापस आऊँगा, मैं उस व्यक्ति से निपट लूंगा।''

203 उसने कहा, ''यदि तू कभी वापस आता है, परमेश्वर ने मुझसे कभी बातचीत नहीं करी।'' समझे? एक भविष्यद्वक्ता था, एक चिन्ह था; वहाँ पर उसकी आवाज थी। और उसे मानने में असफल होने पर न्याय आया।

204 पवित्र आत्मा आज हमारा भविष्यद्वक्ता है। उसकी आवाज सुनने में असफल होना उसकी पहचान वचन से होती है, कि वह इन बातों को कहेगा। यीशु मसीह पवित्र आत्मा के रूप में है!

205 परमेश्वर ने इस एक व्यक्ति से व्यवहार किया। यह, परमेश्वर कभी झुण्डों से व्यवहार नहीं करता है; यह एक व्यक्ति से होता है। ऐल्लियाह कोई झुण्ड नहीं था। यूहन्ना कोई झुण्ड नहीं था। वे झुण्ड या संस्था नहीं थे, उनमें से कोई भी नहीं था। परन्तु दोनो ने उन चीजों को दोषी ठहराया। यह ठीक बात हैं यूहन्ना ने कहा, ''तुम यह न कहो कि ईब्राहीम हमारा पिता है।

परमेश्वर इन पत्थरों से अपने लिए संतानो को उत्पन्न कर सकता है।''

206 और अंत समय के चिन्ह के साथ अंत समय की आवाज होगी। और अंत समय का चिन्ह उसी की तरह होगा जैसे कि बाईबिल में भविष्यवाणी करी गई है। और अंत समय की आवाज, जो कि अंत समय के चिन्ह के बाद आती है, उसकी पहचान वचन से ठीक–ठीक होगी, वह वो वचन होगा जिसकी प्रतिज्ञा करी गई है।

207 अब हमने लूका 17 में पढ़ा है कि अंत समय का चिन्ह क्या होगा, वह सदोम की तरह से होगा, यह एक प्रतिज्ञा है। और शारीरिक रूप में हमारे पास सदोम है, हम क्यों यहाँ वचन के चिन्ह पर विश्वास नहीं कर रहे हैं? यदि आप वचन को भी देखें, लूका 17 चिन्ह है, और मलाकी 4 आवाज है। वह चिन्ह इस प्रकार से था कि परमेश्वर देह में प्रगट हुआ था, हृदय के गुप्त विचारों को जान रहा था; और मलाकी 4 की आवाज लोगों को उनके मतों से दूर ले जा रही थी, वापस पित्रों के विश्वास पर ले जा रही थी। यही चिन्ह है।

208 आप जानते हैं कि क्या बात है? मैं अब बन्द कर रहा हूँ। चिन्हों को अक्सर ग्रहण किया जाता है, निश्चित रूप में; परन्तु आवाज को, ओह नहीं। वह आवाज जो कि चिन्ह के बाद आती है, उनको उससे कुछ भी लेना देना नहीं होता है। हाँ।

209 यीशु का मसीहा के रूप में चिन्ह, बिमारों को चंगा करना, उन्होंने उसे ग्रहण कर लिया था। परन्तु एक दिन उसने कहा, ''मैं और पिता एक हैं।''

210 ओह मेरे परमेश्वर, उस आवाज को ग्रहण नहीं किया गया। उन्होंने कहा, ''तू अपने आप को परमेश्वर बनाता है, परमेश्वर के तुल्य बनाता है।''

उसने कहा, ''मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ।''

211 ''ओह मेरे परमेश्वर, परमेश्वर के पास एक पुत्र कैसे हो सकता है? समझे, यह तो बहुत दूर की बात है कि परमेश्वर के पास एक पुत्र हो!''

212 परन्तु, आप समझे, उन्होंने चिन्ह का विश्वास किया, बिमार चंगे हो सके, और ओह, वह बहुत अद्भुत बात थी, वह बस बहुत अच्छी बात बात थी। परन्तु जब आवाज को सुनने का समय आया, वे उस आवाज पर विश्वास नही करना चाहते थे। उन्होंने क्या किया? उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया।

213 और आप जानते हैं कि क्या हुआ? बाईबिल हमें प्रकाशितवाक्य के तीसरें अध्याय में इस लौदीकियायी युग में बताती है, कि वह उसी बात को करेगा। वह कलीसिया के बाहर था। यही वचन का प्रगट होना है। वह वचन का प्रगटीकरण था। वह अभी भी वचन का प्रगटीकरण है।

214 यदि आप लूका के सदोम के चिन्ह पर विश्वास कर सकते हैं, यदि आप उस बात पर विश्वास कर सकते हैं, तब फिर आप मलाकी 4 की आवाज को ग्रहण क्यों नहीं करते हैं? समझे, आप क्यों नहीं करते हैं, आप क्यों नहीं करते हैं? उसको प्रमाणित किया जा सकता है। केवल एक ही तरीका है उसे करने का...चिन्ह को सिद्ध किया जा सकता है, परन्तु आप को आवाज ग्रहण करनी है।

215 मूसा को शारीरिक रूप में नीचे जाने के लिए और एक आत्मिक चिन्ह को लेने का और लोगों को वापस पित्रों की प्रतिज्ञाओं पर बुलाने का कार्याधिकार दिया गया था।

216 मलाकी 4 को लोगों को ''वापस पित्रों के विश्वास पर'' लाना है। ओह, ओह अंधे और तितर–बितर हुए लोगों, अपने आपे में आओ!

217 बंद करते हुए मैं यह कहूँगा, यह अंतिम टिप्पणी है। भविष्यद्वक्ता ने कहा, ''शाम के समय उजियाला होगा।'' देखो, उसने कहा है, ''ऐसा दिन होगा जिसमें कि न तो दिन होगा या रात।'' अब सुनें। मैं बंद कर रहा हूँ। ''एक ऐसा दिन होगा...'' इस बात का गहराई में बस जाने दें, और होने पाए कि इस बात को परमेश्वर इस सभागृह में उपस्थित समुदाय के हर एक हृदय के अंदर आज रात्रि गहराई से बसा दे। भविष्यद्वक्ता ने कहा, ''ऐसा दिन होगा जिस में न तो दिन होगा या रात, एक प्रकार से धुँधला, वर्षा वाला, निराशजनक

दिन होगा। परन्तु,'' कहा, ''शाम के समय उजियाला होगा।''

218 अब स्मरण रहे, सूरज हमेशा पूर्व से निकलता है और पश्चिम में जाता है। सभ्यता सूरज के साथ साथ चली हैं आप उस बात को जानते हैं। और ध्यान दें, वही सूरज जो कि पूर्व में उदय होता है वही पश्चिम में अस्त होता है। अब, सभ्यता बिलकुल सूरज के साथ साथ चली है, जब तक कि पूर्व और पश्चिम मिल गए हैं। हम पश्चिमी तट पर हैं; पूर्व और पश्चिम।

219 और, स्मरण रहे, सुसमाचार ने उसी प्रकार से यात्रा करी है। वह पूर्व में आरंभ हुआ था, जबकि यीशु मसीह का आगमन हुआ था, जो कि पुत्र था(son) सूरजं(sun) नहीं, पुत्र (son) परमेश्वर का पुत्र, पूर्व में उदय हुआ, पूर्वी लोगों के लिए।

220 और अब एक ऐसा दिन है जिसमें लोग गिरजे में शामिल हो गए हैं, संस्थाओं को बना लिया है, उनके पास इस बात को समझने का बस पर्याप्त उजियाला है, ''अच्छा, हमारे पास एक गिरजा होना है। हम इसे बनाएंगे। हम विद्यालय को बनाएंगे। हम अस्पताल बनाएंगे। हम शिक्षा देंगे। हमारे पास एक सेमनरी होगी।'' उनके पास उस कार्य को करने के लिए पर्याप्त उजियाला है।

221 परन्तु स्मरण रहे, बाईबिल ने कहा है, प्रभु के भविष्यद्वक्ता ने बाईबिल में कहा है, जो कि **यहोवा यों कहता है,** है, ''वही सूरज जो कि पूर्व में चमका था, वह पश्चिम में फिर से चमकेगा, शाम के समय। शाम के समय उजियाला होगा।''

222 वह क्या करेगा? यह ठीक वैसे ही होता है जैसे कि उसने लूका के 17वें अध्याय में कहा था। ''अंत समय में, मनुष्य का पुत्र उसी प्रकार से प्रगट होगा जैसे कि वह पूर्व में हुआ था, वही पुत्र चमक रहा है, उसी सामर्थ में, वही पवित्र आत्मा, वही चीज वही बात को कर रही है। शाम के समय उजियाला होगा।''

223 यह वही सूरज है जिसने यात्रा करी थी; उसी पुत्र ने यात्रा करी है;

पूर्व में पौलूस से होता हुआ; कूदकर जर्मनी में मार्टिन लूथर पर गया; फिर से कूदा अपने अगले खिंचाव में; और वहाँ पर से जान वेसली तक ईगलैंड गया; अटलांटिक महासागर पार किया और संयुक्त राष्ट्र गया, पिन्तेकुस्त को गया; और अब पिन्तेकुस्त ने अपने आंप को घटा लिया, और अब हम तट पर हैं।

224 उनमें से हर एक संस्थागत हो गया है, जैसे कि उन्होंने आरंभ में किया था, उन संस्थाओं को बनाया जिन्हें परमेश्वर ने श्रापित किया था। पिन्तेकुस्त, और सभी ने वैसा किया था।

225 परन्तु उसने कहा, ''शाम के समय उजियाला होगा। शाम के समय एक चिन्ह उदय होगा।'' मित्रों, इस बात से न चूकिए। इस बात से न चूकिए। अब, वही पुत्र उसी उजियाले को देगा। वही सूरज उसी सूरज के उजियाले को देगा। वही पुत्र उसी उजियाले को देगा जो कि पुत्र रूपी उजियाला है।

226 अब, यह मेरा कहना नहीं है। हर एक जन जो कि यहाँ पर है, यह जानता है कि बाईबिल इस बात को कहती है, वह अपने हाथों को उठाए। (सभा कहती है, ''आमीन।''–संम्पा) यह बिलकुल ठीक बात है।

227 अब, आप कर सकते हैं, यह आप के ऊपर है। आप यह विश्वास करते हैं कि परमेश्वर का पुत्र, यीशु मसीह, मरा नहीं है। वह जीवित है। वह नम्रता है, नम्र है। वह हमेशा से ही उसी प्रकार से रहा है। ऊपर जाने का मार्ग नीचे से है। अपने आप को नम्र कर लो, अपने रूखे विचारों से दूर हट जाओ, और प्रभु यीशु पर विश्वास करो। चिन्ह को देखो, तब फिर आवाज पर विश्वास करो। वापस आ जाओ, ओ तितर बितर हुओं, अपने आपे में आ जाओ!

आईये हम अपने सिरों को झुकाएं।

228 ''और यदि वे पहले चिन्ह की आवाज का विश्वास न करें, जो कि हाथ में था, जैसा कि मूसा के साथ था, तब फिर दूसरा चिन्ह करना। फिर, यदि वे इस चिन्ह का विश्वास न करें, तब फिर पानी को लेना(पानी जीवन को दर्शाता है) जो कि महासागर या समुद्र में है, उसे पानी पर उड़ेलना, वह लहु

बन जाएगा।

229 स्वर्गीय पिता, अब वास्तव में देर हो चुकी है, परन्तु आपने प्रतिज्ञा करी थी कि शाम के समय उजियाला होगा। होने पाए कि सुसमाचार की आवाज इन लोगों के हृदयों में गहराई से बस जाए, जैसे कि यह लोग इसपर मनन करते हैं और वचन का अध्ययन करते हैं।

230 प्रभु, इस समुदाय को आशीष दीजीए। इन लोगों को आशीष दीजीए। उन्हें यहाँ पर भूखे बैठा देख रहा हूँ, बेचारे बच्चे जो कि इधर–उधर फेंका गया है और दबाया गया है, और यह, यह जानते हुए कि शैतान ने बस वह इसलिए उन्हें अंधा करने के लिए किया जब वह चीज उनके पास पहुँची थी। होने पाए कि आज रात्रि एक मन से वे यीशु मसीह पर विश्वास करें, उसकी प्रतिज्ञा पर विश्वास करें, कि वह मरे हुओं में से जी उठा है।

231 आप ने कहा, ''जिस समय वे सोचते तक न होंगे, तब मनुष्य का पुत्र आ जाएगा।''

232 ठीक जब कलीसिया के पास है, जबकि उनके पास और अधिक धन है, लाखों डालर के भवन हैं। पिता, मैं विश्वास करता हूँ कि वहाँ कोने में खड़े होकर खंजड़ी बजाते हुए, अपने हाथ में टोपी लिए हुए, कोने में एक पुराने ड्रम को सालवेशन आर्मी की तरह से लिए हुए, वे बेहतर हैं, बजाए इसके कि वे इन बड़े मुर्दाघरों में बैठें और संसार की तरह से बन जाएं, ''भक्ति का भेष तो धरते हैं, पर शक्ति का इन्कार करते हैं।''

233 आज रात्रि प्रदान करें प्रभु, एक बार फिर प्रभु; जैसे कि सिमसौन ने चिल्लाया था, ''प्रभु एक बार फिर, एक बार फिर।'' होने पाए कि यह पता लगने पाए कि आप मसीह हैं, परमेश्वर के पुत्र हैं; कल, आज और सर्वदा एक सा है। और हमारे मध्य में आप अपनी पहचान करवाएं, कि होने पाए कि वे चिन्ह को देखें, होने पाए कि वे इस आवाज पर विश्वास करने पाएं। इसमें, मैं यह यीशु मसीह के नाम में माँगता हूँ। आमीन।

234 जल्द ही हम प्रार्थना पंक्ति बुलाने जा रहे हैं। मैंने देख लिया है कि वास्तव में ठीक अभी हम विसर्जित कर रहे हैं। परन्तु आईए हम प्रार्थना पंक्ति को करें, बस एक छोटी सी प्रार्थना पंक्ति, फिर हम कल आरंभ करेंगे।

235 उसने आज प्रार्थना कार्डों को दिया है। इसीलिए हम प्रतिदिन प्रार्थना कार्डों को देते हैं, ताकि हर एक को आने का मौका मिले, एक विचित्र समय में। प्रार्थना पंक्ति में खड़े होना, इस बात से आप चंगे नही होते हैं। कोई भी इस बात को जानता है, हर एक सभा में, वहाँ पर यहाँ ऊपर के मुकाबले वहाँ पर ज्यादा लोग चंगे होते हैं, समझे, हमेशा से ऐसा होता रहा है। पवित्र आत्मा बस सर्वव्यापी है। वह बस केवल विश्वासीयों को ढूंढ़ रहा है, बस यही बात है। वह जा सकता है।

236 प्रार्थना कार्ड जिनपर पी0 जैसे कि पौलूस में होता है, दे दीजीए। आईए, हम कहाँ पर हैं...अच्छा, पहले से बुलाईए। एक, दो, तीन, चार, पाँच, छः, सात, आठ, नौ, दस, उन्हें वहाँ ऊपर खड़ा होने दें, यदि आप यह कर सकते हैं। उनके प्रार्थना कार्ड पर पी0 लिखा हुआ है, जैसे कि पौलूस अक्षर में होता है, एक से लेकर दस, वहाँ इस ओर खड़े हो जाएं, यदि आप खड़े हो सकते हैं। यदि आप नहीं हो सकते हैं, तब फिर हम किसी को आपकी सहायता करने के लिए लाएंगे। दस; एक, दो, तीन, चार, पाँच, छः, सात, आठ...ठीक है, दो और। आठ, नौ, दस, ठीक है। दस से पंद्रह, दस से पंद्रह, जो कि पाँच और हैं। पंद्रह से बीस। बीस से पच्चीस। आईए अब देखें, जहाँ कहीं पर आप हैं। अब बाकि कि सभा वास्तविक रूप में आदर युक्त हो जाए, बस कुछ ही मिनट। यह प्रार्थना कार्ड होगा जिसपर पी0 लिखा हुआ होगा, एक से पच्चीस। क्या यह नहीं है? पच्चीस, एक से लेकर पच्चीस।

237 अब हर एक जन वास्तविक रूप में आदरयुक्त हो जाए। परमेश्वर को उतना आदर दें, संदेश को दें। आप इस बात के लिए परमेश्वर के ऋणी हैं, एक मिनट तक देखें और विचार करें।

238 अब मैं सोचता हूँ कि वे लोगों को तैयार कर रहे हैं। वे जो कि नहीं हैं...यदि उनके पास प्रार्थना कार्ड है, वे सभी पंक्ति में नहीं लगे हैं, वे पता लगा

लेंगे; कुछ मिनटों में वे मुझे बता देंगे, और फिर वे...करेंगे, तब फिर हम देखेंगे कि यदि कोई सुन नहीं सकता है या कोई जो कि नहीं आ सकता है।

239 मित्रों, मुझे यह पता नहीं है कि वे कहाँ पर हैं, वे प्रार्थना कार्ड कहाँ पर हैं। वह लड़का यहाँ नीचे आता है...(भाई ब्रन्हम मंच पर किसी से पूछते हैं, ''उनको किस ने दिया था? बिली क्या तुमने? बिली?''संम्पा) जब वह नीचे आता है, और उन कार्डों को आप लोगों के सामने मिला देता है, फिर वह आपको प्रार्थना कार्ड देता है। समझे? मैं यह नहीं जानता हूँ कि वे कहाँ पर हैं। मैं इस बच्चे को यहाँ ऊपर लाने का यत्न कर रहा था, समझे। और दूसरे भी, मैं–मैं नहीं जानता हूँ, मेरे–मेरे पास इस बात को जानने का कोई तरीका नहीं है। मेरा अनुमान है कि परमेश्वर बस उसे उसी तरह से ठहराता है जैसे कि वह चाहता है कि उसे ठहराया जाए।

240 अब, अब आप जो कि बाकि लोग हैं, जिनके पास प्रार्थना कार्ड नहीं है। अपने हाथ को उठाएं, कहें, ''मेरे पास प्रार्थना कार्ड नहीं है, परन्तु मैं बिमार हूँ।'' अपने हाथ को ऊपर उठाएं, भवन में कहीं पर भी। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ कि आप कहाँ पर हैं, अपने...को उठाएं, अच्छा, अब, यहाँ पर बहुत सारे लोग फिर नहीं हैं। अच्छा, उस के अनुसार, कल प्रार्थना पंक्ति के लिए प्रार्थना करने में बहुत अधिक समय नहीं लगेगा। यहाँ पर लगभग बीस हैं, जो कि बिमार हैं।

241 यह अच्छी बात है। मुझे यह देखकर खुशी है कि उस प्रकार से इस बात को आपने ग्रहण किया है। जितना कि मैं सोचता था, आप के पास उससे ज्यादा विश्वास है, शायद। समझे? समझे? यदि आप ने अपनी चंगाई को ग्रहण कर लिया है, अपने कार्ड को फेंक दिया है, परमेश्वर आप को आशीष दे। यह वास्तविक विशुद्ध विश्वास है। किसी ने आप के ऊपर हाथ नहीं रखा है; आप ने मसीह के ऊपर हाथ रखा है।

242 अब आप जो कि आज रात्रि यहाँ पर हैं, जो कि प्रार्थना पंक्ति में नहीं आ रहे हैं, आप कहानी पर विश्वास करते हैं। जैसे कि वह स्त्री थी जिसने कि उसके वस्त्र के कोने को छू लिया था, और वह पीछे मुढ़ा और उसने यह

पहचान लिया कि उसने उसे छू लिया है, आप में से कितनों को वह कथा याद है? निश्चित रूप में, आप को है।

243 अब क्या आप विश्वास करते हैं, कि उसने बाईबिल में ईब्रानीयों 4 में कहा, कि, ''वह ठीक अभी हमारा महायाजक है, जिसको कि हम अपनी निर्बलता की भावनाओं के साथ स्पर्श कर सकते हैं''? (सभा कहती है, ''आमीन।''–संम्पा) अच्छा, यदि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है, क्या वह उसी तरह से व्यवहार नहीं करेगा? (''आमीन'') क्या उसने यह यहाँ पर एक रात्रि के बाद दूसरी रात्रि में नहीं किया है? (''आमीन'') कितने लोग दूसरी सभाओं में रहे हैं और उसे ऐसा करते हुए देखा है? बस खड़े हो जाएं। (''आमीन'') निश्चित रूप में। समझे? संसार में चारों ओर! वह जानता है, वह आपके विषय में सब कुछ जानता है।

244 अब देखिए कि मैं क्या करने का यत्न कर रहा हूँ। कितने इस बात को समझते हैं कि मैं क्या करना चाहता हूँ? समझे, मैं आपसे चाहता हूँ, आपके ऊपर बिना किसी के हाथ को रखे हुए, मैं आपसे चाहता हूँ, परमेश्वर के वास्तविक नियम के द्वारा, कहें, ''यीशु मसीह, मैं आप का विश्वास करता हूँ। मैं अब आपको अपना चंगा करने वाले के रूप में ग्रहण करता हूँ। मैं आप को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करता हूँ। मैं इस बात पर अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करता हूँ, यह कार्य पूरा हो चुका है।'' फिर उस प्रतिज्ञा को पकड़े रहें, अपने अंगीकार को थामें रहें और उसके साथ आगे बड़ें। देखें कि क्या होता है। समझे? देखें कि क्या होता है। समझे? अब यही वह बात है जिसका कि मैं आपको करवाने का यत्न कर रहा हूँ, यही वास्तविक तरीका है जिस तरह से हमें विश्वास करना चाहिए।

245 आप क्या कहते हैं? (कोई कहता है, ''चार और उन्नीस।''–संम्पा) चार नम्बर प्रार्थना कार्ड, प्रार्थना कार्ड नम्बर चार और उन्नीस, नहीं हैं। प्रार्थना कार्ड नम्बर चार। किसी और की तरफ देखें; अपने पड़ोसी के प्रार्थना कार्ड पर देखें। प्रार्थना कार्ड नम्बर चार और उननीस। ठीक है, बस कुछ छणों के लिए इन्तजार करें। समझे, यदि मैं उसे नहीं बुलाता हूँ, तब फिर मुझे प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा, आप समझे। क्या कहा? क्या कहा? (''चार'') आप के

पास चार है? नौ के विषय में क्या...अभी तक उन्नीस नहीं है। क्या कहा? (चार और'') प्रार्थना कार्ड जिसका नम्बर चार या उन्नीस है अभी तक नही आया है। यदि किसी के पास वे कार्ड हैं, यदि आप इस पंक्ति में आएंगे। या, देखिए, समझे, हो सकता है...क्या किसी...क्या उस छोटे बच्चे के पास कार्ड है? देखें, क्या नहीं...यह वह नम्बर नही है। क्या इस महिला के पास वह नम्बर है, जो कि पहिए वाली कुर्सी पर हैं? उसके नम्बर को देखें। क्या यह—क्या यह उसका नम्बर है? वह महिला जो कि पलंग पर है? उनको वह मिल गया। वे, वे सभी अब अन्दर हैं। अच्छी बात है। ठीक है। अब—अब, आप लोग जिनके पास प्रार्थना कार्ड हैं, उन्हें पकड़े रहें। हम सेवकाई करने जा रहे हैं, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा।

246 अब, मित्रों, यह अंतिम रात्रि है जो कि हमारे पास में है, कल रविवार दोपहर है, हम अपने आप को शान्त कर लें। अब हर एक अविश्वास को लें जो कि आपके पास में हैं और हर एक अविवेकपूर्ण विचार को लें, और उसे फर्श पर रख दें, और अपने पैर को उसपर रख दें, जैसे कि वह था। कहें, ''प्रभु, यीशु, मैं आपका विश्वास करने जा रहा हूँ।'' कितने ऐसा करेंगे? (सभा कहती है, ''आमीन।'') धन्यवाद। परमेश्वर आप को आशीष दे।

247 अब कोई भी छोड़ कर न जाए। वास्तविक रूप में शान्त बैठे रहें, और विश्वास करें। इस तरफ देखें, और अब देखें।

248 परमेश्वर की पहचान हमेशा से यह होती है कि वह जान लेता है, पहले से देख लेता है, और यह बताता है जो कि हो चुका है, कैसे हुआ है, या क्या होगा। हम उस बात को जानते हैं। उसी प्रकार से भविष्यद्वक्ताओं को जाना जाता था। उसी प्रकार से यीशु को मसीहा के रूप में जाना जाता था। और आज वह वही मसीहा है जैसे कि वह तब था, केवल इस पृथ्वी पर बिना किसी शारीरिक देह के वह उपस्थित है। उसने अपनी आत्मा को वापस आपकी देह, मेरी देह का उपयोग करने के लिए भेजा है। अब, हो सकता है कि आप इस बात को कर न पाएं। हम जानते हैं, वचन में, एक पीढ़ी में एक होता है। परन्तु, समझे, फिर भी आप उसका विश्वास कर सकते हैं, और आप के पास अन्य चीजे हैं जो कि आप कर सकते हैं, हर एक के पास हैं।

249 क्या हो यदि मेरी ऊँगली यह निर्णय ले ले, कि वह अब और अधिक मेरी ऊँगली नहीं रहेगी, क्योंकि वह मेरी आँख नही है? क्या हो यदि मेरा हाथ कहे, ''मैं अब और नहीं उठूंगा, क्योंकि यदि मैं आँख नहीं हूँ, या कान नहीं हूँ, मैं हाथ नहीं होने जा रहा हूँ? क्यों, यह बात तो मेरे शरीर को अपंग कर देगी।

आप वहीं रहें जहाँ पर परमेश्वर आप को रखता है।

250 मैंने कितनी बार ओरल राबर्टस, बिली ग्राहम, टामी ऑसबर्न को सराहा है!

251 उनमें से कुछ लोग अन्दर चलकर आते हैं और कहते हैं, ''परमेश्वर की महिमा होवे! विश्वास करो!'' एक अत्यन्त शक्तिशाली विश्वास करना। वहाँ से दूर चले जाना, वहाँ से जितने तरोताजा होकर वह जा सकते हैं, वे जाते हैं।

252 बिली ग्राहम संदेश के साथ खड़े होते हैं, और कुछ मिनटों तक लोगों से बातचीत करते हैं, कहते हैं, ''अपने निर्णय को लो; वेदी पर आओ।'' बस वहाँ पर खड़े रहते हैं, कभी कुछ और नहीं करते हैं।

उसने कहा, ''तो बिली तुम वैसा क्यो करते हो?''

253 कहा, ''मेरा संदेश आगे गया है। वह परमेश्वर के पास से आया था।'' यह ठीक बात है।

254 वह सदोम रूपी कलीसिया पर है, ठीक वैसे जैसे कि होना था। उसका नाम हाम से अन्त होता है, जैसे कि ईब्राहीम(Abraham) में था, छः अक्षर थे; ईब्राहीम(Abraham) में सात थे। उस कलीसिया के संदेशवाहक को वहाँ बाबुल में देखें? निश्चित रूप में। देश में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसकी पकड़ उस पश्चाताप के संदेश पर हो, जैसे कि बिली ग्राहम को है। वह वहाँ पर खड़ा होता है। वहाँ से दूर चलकर जाता है, और टी–बोन

स्टीक खाता है और सोने चला जाता है, माल्ट का दूध पीता है। यह ठीक बात है।

255 और जब आप को खड़ा होकर शैतान से लड़ना होता है! एक बार लांग तट पर, मैं और भाई जैक...आप के पिता वहाँ पर खड़े हुए थे।

256 और वहाँ श्रीमान फुलर खड़े थे, चार्लस फुलर, एक अच्छे भाई, वहाँ पर खड़े होकर प्रचार कर रहे थे। उस दोपहर वहाँ अंदर लगभग दो या तीन हजार लोग थे। हम उनकी सभा में बैठे और सुना। मैंने उनके लिए सभागृह को किराए पर ले रखा था। और वह वहाँ पर खड़े हुए और वे अच्छा बोले। और कहा, ''कोई भी यहाँ पर मसीह को ग्रहण करना चाहता है?'' दो या तीन लोग बच्चों के समर्पण के लिए आए। एक स्त्री ने कहा कि वह उसे ग्रहण करना चाहती है। डीकनों में से एक आया और एक छोटी सी प्रार्थना करी, वापस जाकर बैठ गया। हाथ मिलाया, पीछे मुढ़ा और बाहर चला गया। वहाँ पर उनके बुद्धिजीवी, अच्छे कपड़े पहने हुए लोगों का झुण्ड था, वहाँ से बाहर जा रहा था।

257 यहाँ पर मेरे आए, छोटे जैकट वाले, पहिए वाली कुर्सीयों पर, अंधे, लूले, अपंग और गूंगे। जब कि आपके विश्वास का सामना इस प्रकार की चीज से होता है।

258 अब यहाँ पर, मैंने मसीह का दावा किस रूप में किया है? और अब अविश्वासी चारो ओर बैठे हुए हैं, एक गलती को पकड़ने का इन्तजार कर रहे हैं, समझे, बस एक गलती को पकड़ने का यत्न कर रहे हैं।

259 स्मरण रहे, टोरोन्टो में यहाँ पर बहुत दिन नहीं हुए, हम वहाँ पर खड़े हुए थे और प्रचार कर रहे थे, बिमारों के लिए प्रार्थना कर रहे थे। मुझे एक अजीब सी आत्मा का अहसास होता रहा; वह मेरे बाएं हाथ की तरफ बैठा हुआ था। मैं उसे देखता रहा। वहाँ पर एक व्यक्ति बैठा हुआ था, एक झुण्ड ने उसको मुझे सम्मोहित करने के लिए किराए पर लिया था। वह सेना के कैंपो में जाता था और सैनिको को सम्मोहन के द्वारा अपने पैरों पर चलाता था और

कुत्तों की तरह से भौंकते थे और ऐसी ही चीजों को करते थे। मैंने उस दुष्ट आत्मा का अनुभव किया। मैं यह नहीं जानता हूँ कि वह कहाँ से आया था। मैं उस को देखता रहा। मैंने काली छाया को देखा था। मैं कुछ मिनटों तक रूका रहा। मैंने कहा, ''तू शैतान की संतान, क्यों शैतान ने तेरे दीमाग को उस प्रकार की चीज के लिए अंधा कर रखा है? चूंकि तू परमेश्वर के ऊपर जय पाने के लिए आया है, परमेश्वर की आत्मा को चुनौती दी है, वे तुझे यहाँ से उठाकर ले जाएंगे।'' उसको अपनी सीट पर बैठे–बैठे लकवा मार गया और वह अभी भी लकवा पीड़ित है। समझे?

260 हम कलीसिया रूपी खेल को नहीं खेलते हैं। आप में से कितने सभाओं में रहे हैं और ऐसी बातें होते हुए देखी हैं, आप उन बातों को जानते हैं जो कि घटित होती हैं? निश्चित रूप से। यह ठीक बात है। स्मरण रहे, आदरयुक्त रहें।

अब यहाँ पर, मेरा अनुमान है यह पहला व्यक्ति है। क्या यह ठीक है?

261 अब, समझे, मैंने प्रचार किया है, इस दिन मैंने आप को ठीक–ठीक बता दिया था कि क्या घटित होने जा रहा है। अब यह एक चिन्ह है, यदि वह घटित हो जाता है। यही चिन्ह था, तब फिर उस आवाज का विश्वास करें जो कि चिन्ह के बाद आती है। समझे?

262 अब यहाँ पर एक स्त्री है। बिलकुल ठीक, आप नए लोगों के लिए, यह संत यूहन्ना 4 है, जहाँ पर हमारे प्रभु यीशु की मुलाकात कुएं पर एक स्त्री से हुई। जीवन में वे कभी नहीं मिले थे, और उसने उस स्त्री को यह बता दिया था कि उसकी परेशानी क्या थी। और उसने यह पहचान लिया कि वही मसीहा था। आप उस कथा को जानते हैं? यहाँ पर वह फिर से है, एक पुरूष और एक स्त्री मिलते हैं। अब वह स्त्री नहीं है, और मैं वह मनुष्य नहीं हूँ, यह वही परमेश्वर है। समझे? अब, यीशु ने कहा, ''जो कार्य मैं करता हूँ तुम भी करोगे,'' संत यूहन्ना 14:12

263 अब, महिला, आप को नहीं जानता हूँ, मुझे कुछ भी नहीं पता है कि आप वहाँ पर किसलिए खड़ी हैं। हो सकता है घर की परेशानी हो। हो सकता है यह किसी के लिए हो। हो सकता है कि आप बिमार हैं। शायद यह...शायद आप वहाँ पर खड़ी होकर किसी बात का बहाना बना रही हैं। यदि ऐसा है, बस यह पता लगाएं कि क्या होता है। समझे? शायद आप किसी चीज की नकल कर रही हैं। जो भी कुछ वह है, मैं नहीं...हो सकता है कि आप सच्ची विश्वासी हों। उस बात को मैं नहीं जानता हूँ, परन्तु परमेश्वर जानता है। परन्तु आप जान जाएंगी कि उसने आप को सत्य बताया है कि नहीं, क्या नहीं? यदि यह सत्य है, आप उसे जान जाएंगी।

264 अब, देखिए, यही वह बात है जो कि आपके विश्वास को करना है। क्या आप यहाँ पर आना चाहेंगी? अब यदि कोई इस प्रकार से विश्वास करता है कि यह बात गलत है, आप यहाँ पर आएं और इस मरीज का सामना करें, यहाँ पर आएं और उन बाकि लोगों का सामना करें। तब फिर यदि आप इस बात को नहीं कर पाएंगे, तब फिर मुझे दोषी मत ठहराईए। समझे?

265 अब बहन, यहाँ पर देखिए, बस एक मिनट के लिए। अब मुझे आप के विषय में कुछ नही पता है। आप बस एक स्त्री हैं जो कि यहाँ पर खड़ी हुई हैं।

266 अब यदि प्रभु यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र, जिसको कि मैंने इस बाईबिल के द्वारा सिद्ध किया है, उसने यह प्रतिज्ञा करी है कि वह अंतिम दिनो में फिर से वापस आएगा और अपने आप को आत्मा की परिपूर्णता में प्रगट करेगा।

267 ठीक वैसे ही कलीसिया ऊपर आ रही है; जैसे कि मानव में होता है, पैरों से होते हुए, जांघों तक आता है, सिर तक आता है, और सिर देह का प्रधान होता है। और पहली कलीसिया से अब तक देह ऊपर आती है, ठीक ऊपर की ओर आई है, सुधार कालों में से होते हुए, और अब तक ऊपर आई है। वह न्यायोचित्त ठहरने से, शुद्धिकरण से, और पवित्र आत्मा के बपतिस्में से होकर आई है। अब सिर जो कि मसीह है, देह में आ रहा है, मसीह की देह

में आ रहा है। यह वही है जो कि जानता है। मेरा हाथ व्यवहार करना नहीं जानता है, बस सिर के द्वारा व्यवहार करता है। परन्तु यह वही है जो कि जानता है, यही कारण है कि वह वचन है।

268 मैं वचन नहीं हूँ। मैं मनुष्य हूँ। परन्तु, आप समझे, वह इस देह का उपयोग करता है। चूँकि वह इस देह को पवित्र करने के लिए मरा, ताकि वह इसका उपयोग कर सके, और उसे एक वरदान दे सके। जैसे कि गीयर में निकालना होता है, फिर पवित्र आत्मा नियंत्रण ले लेता है।

269 फिर, यदि वह व्याख्या करेगा और आपको यह बताएगा कि आपने क्या किया है, आप यहाँ पर किस लिए आई हैं, या आप के विषय में कुछ बताएगा, आप विश्वास कर लेंगी। और सभा भी उसी बात को विश्वास करेगी? (सभा कहती है, ''आमीन''–संम्पा) होने पाए कि प्रभु परमेश्वर इसे प्रदान करे।

270 अब मैं हर एक आत्मा को जो कि यहाँ पर है, परमेश्वर की महिमा के लिए अपने नियंत्रण में ले लेता हूँ। अब शान्त बैठे रहें। इधर–उधर न चलें।

271 यहाँ पर देखें, बस कुछ छणों के लिए। ''मेरी तरफ देखें,'' जैसे कि पतरस और यूहन्ना ने कहा था, जब वे फाटक में से चलकर गए थे। दूसरे शब्दों में, बस उस बात पर ध्यान दें जो कि मैं कह रहा हूँ। समझे?

यीशु ने स्त्री से कुछ प्रश्न पूछे। ''मुझे पानी पिला।''

272 समझे, मैं प्रचार कर रहा था, वही बात है। पिता ने मुझे यहाँ बेटन राऊज तक भेजा है। मैं यहाँ पर हूँ।

273 पिता ने कहा था कि उसे सामरिया से जाना अवश्य था। वह वहाँ पर बैठ गया। एक स्त्री थी जो कि पहली थी जो उसके पास आई। उसने वहाँ पर स्त्री पर एक चिन्ह को किया, और सारे शहर ने पश्चाताप किया। क्या फर्क...

274 आप सोच रहे हैं, यदि वह आज रात्रि उसी चीज को करे, क्या आप सोचते हैं कि सारा बेटन राऊज पश्चाताप करेगा? मुझे उस बात में संदेह है, क्या आप को नहीं है? मुझे निश्चित रूप से है। परन्तु हम अंतिम दिनो में हैं, जबकि दुष्टता पहले कभी की तुलना में और अधिक दुष्ट हो गई है।

275 अब आपकी स्थिति। आप यहाँ पर प्रार्थना करवाने के लिए हैं। यह बिलकुल ठीक बात है। और आप को गले की परेशानी है। यदि यह ठीक है, अपने हाथ को ऊपर उठाईए। यही नहीं, परन्तु कोई और है जिसके लिए आप प्रार्थना कर रही हैं। यह एक बच्चा है, और उस बच्चे को गले की परेशानी है। और **उसके** गले में परेशानी यह है, उसके गले में वृद्धि है। क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर उसे भी चंगा करेगा? आप के हाथ में जो रूमाल है, जिसको कि आप ने परमेश्वर के लिए गवाही देने के लिए उठाया है। उस पर अब संदेह न करें। जाईए और उस रूमाल को बच्चे पर रख दीजीए। अपने संपूर्ण हृदय से संदेह न करें। परमेश्वर आप दोनो को चंगा करेगा और आप को अच्छा कर देगा। (बहन कहती है, ''उसकी महिमा हो! हालेलुईया!''—संम्पा) क्या आप उस प्रकार से कर सकती हैं? (''यीशु!धन्यवाद, यीशु!'') फिर आप जाएं, और परमेश्वर आप के साथ हो। (''परमेश्वर की महिमा हो!हालेलुईया!'')

आप कैसे हैं? हम भी अजनबी हैं।

276 क्या आप विश्वास करते हैं? (सभा कहती है, ''आमीन।''—संम्पा) यही चिन्ह है। अब आवाज है, ''वचन पर वापस जाओ!''

277 क्या आप नहीं जानते हैं; वह करता है। यदि वह आपके विषय में मुझे बता देगा, तब आप विश्वास करेंगी कि जो वचन मैंने कहें हैं वे प्रमाणित होंगे? यही उस बात का प्रमाणित होना है। समझे? मैंने कहा कि उसने इस बात को किया है; वह भविष्यवाणी करना है। यदि वह भविष्यवाणी घटित हो जाती है, तब उसने कहा, ''उसे सुनना।''

278 आप को अत्यन्त अधीरता है जिससे कि आप परेशान हो रही हैं,

अधीरता। और आप को ट्यूमर है, और वह ट्यूमर आपके पैरों में है। यह ठीक बात है, क्या यह नहीं है? (बहन कहती है, ''हाँ।''संम्पा) अब क्या आप विश्वास करती हैं?(''हाँ श्रीमान।'') तब फिर अपने मार्ग पर जाएं, और विश्वास करें, और जैसा कि आपने विश्वास किया है, वैसा ही आपके साथ होने पाए।

279 आप कैसी हैं? मैं आप को नहीं जानता हूँ, परन्तु परमेश्वर आपको जानता है। क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर मुझे आपकी परेशानीओं को बता सकता है? मेरी ओर देखें। आप को परेशानीयां हैं। परन्तु आप यहाँ पर किसी और के लिए खड़ी हैं, और यह वही है जो आप के साथ में बढ़ी हुई है। यह एक बहन है। यह ठीक बात है। अब क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर मुझे यह बता सकता है कि आप की बहन के साथ में क्या परेशानी है? क्या आप उस बात को ग्रहण करेंगी? उसको हृदय की परेशानी है। यह ठीक बात है। क्या आप विश्वास करती हैं कि वह इस समय चंगी हो जाएगी? तक फिर आपके विश्वास के अनुसार आपको हो।

280 महिला आइए। आप कैसी हैं? यदि परमेश्वर मुझे यह बता दे कि आप की क्या परेशानी है, या आप ने क्या किया है, या कुछ और, क्या इस बात से आप विश्वास करेंगी? आप जानती हैं कि मैं हूँ...मैं–मैं–मैं आप को नहीं जानता हूँ। यह उसका गुण है जो कि अपनी पहचान मुझ में करवा रहा है, उस वचन के अनुसार जिसकी प्रतिज्ञा उसने करी है। (बहन कहती है, ''मुझे बस उस बात पर विश्वास करना है।''–संम्पा) आप विश्वास करती हैं? (''आमीन'')

281 आप एक और हैं, आप को उस प्रकार की परेशानीयाँ हैं जो कि आपकी उम्र की महिला को होती हैं, परन्तु आप का मुख्य विचार किसी और के विषय में है। आप को परमेश्वर से कुछ इच्छा है; आप अपने लिए परमेश्वर के पास नहीं आई हैं, परन्तु किसी और के लिए, वह एक व्यक्ति है। यह आपका पति है। और उनको हृदय की परेशानी है। क्या आप विश्वास करती हैं कि वह करेगा...परमेश्वर उसे चंगा करेगा? जाईए, विश्वास करिए, वैसा ही आपके साथ होगा।

282 अब, समझे, सारा प्रचार करना, जिस घंटे मैं प्रचार कर रहा था। यह, जो भी कुछ वह था, तीन या चार लोग यहाँ पर निकल कर गए हैं, अब मैं यहाँ पर मुश्किल से ही खड़ा रह सकता हूँ। समझे? समझे, सारी भीड़ बस यहाँ चारों ओर दूधीया नजर आ रही है। समझे? यीशु ने कहा, ''मुझमें से सामर्थ निकली।'' और यदि एक स्त्री के उसके वस्त्र को छूने पर उसमें से सामर्थ निकल गई, और वह परमेश्वर का पुत्र था; मेरे विषय में क्या, एक पापी जो कि अनुग्रह के द्वारा बचाया गया है?

283 उसने कहा, ''जो कार्य मैं करता हूँ तुम भी करोगे। इससे भी *ज्यादा* तुम करोगे।'' मैं जानता हूँ कि किंग जेम्स ने कहा है, ''बड़े।'' परन्तु यदि आप मूल अनुवाद को लें, वहाँ पर कहा गया है, ''इससे भी *ज्यादा* तुम करोगे।'' कोई भी उससे बढ़े कार्य नहीं कर सकता है। उसने मुर्दों को जिलाया, और उसने प्रकृति को रोक दिया, और सभी कुछ किया। परन्तु उसने कहा, ''इससे भी *ज्यादा* तुम करोगे,' क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।''

284 संसार मुझे नहीं देखेगा; परन्तु तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं...'' देखो, ''मैं'', मैं–मैं एक व्यक्तिगत् सर्वनाम है। ''मैं तुम्हारे साथ रहूँगा, यहाँ तक कि तुम्हारे अन्दर रहूँगा।'' फिर, यह व्यक्ति नहीं होता है। यह मसीह होता है।

285 मैं उस बात को एक प्रकार से अपने आप को थोड़ा सा हिलाने के लिए कह रहा हूँ, एक प्रकार से अपने आप को वापस लाने के लिए। आप एक ऐसे स्थान पर पहुँच जाते हैं जब तक कि कुछ समय के बाद...यह तब नहीं होता है जब आप यहाँ ऊपर होते हैं, या यहाँ नीचे होते हैं; यह बीच में होता है। आप में से कितने इस बात को समझते हैं? मैं जानता हूँ कि आप–आप सोचते हैं कि आप इसे समझते हैं। मैं भी समझता हूँ।

286 क्या आप कभी इस बात को जान पाएं हैं कि कवि और भविष्यद्वक्ता पागल होते हैं? आप में से कितने इस बात को जानते हैं?

287 आप में से कितनों ने विलियम काऊपर के विषय में पढ़ा है, जो कि महान कवि थे? आप जानते हैं, उन्होंने लिखा, ''लहु से भरा हुआ एक सोता

है, जो कि ईमानुएल की नसों से बहता है।'' उस गाने को लिखने के बाद, क्या आपने कभी सुना कि उनका क्या हुआ? मैं बहुत दिन नहीं हुए उनकी कब्र पर खड़ा था। उन्होंने आत्महत्या करने का यत्न किया, और नदी में डूब गए।

288 आप में से कितनों ने कभी स्टीफन फोस्टर के विषय में सुना है, जिसने अमेरिका को उसके सबसे अच्छे लोक गीत दीए? उसके पास सिर में वे थे परन्तु हृदय में नहीं थे। हर एक बार प्रेरणा उनसे टकराती थी, वह गाने को लिखते थे। तब फिर जब प्रेरणा उन्हें छोड़ कर चली जाती थी, वह यह नहीं जानते थे कि उनके साथ क्या किया जाए, और वह भटक जाते थे। वह–वह–वह एक प्रकार से नशे में रहते थे। और अंत में जब वे प्रेरणा से बाहर आने लगे, उन्होंने एक दास को बुलाया, और रेजर लिया और आत्महत्या कर ली। यह ठीक बात है।

289 ऐल्लियाह को देखें, जो कि भविष्यद्वक्ता था। वह वहाँ पर गया और स्वर्ग से आग बुलाई; और पहले दिन स्वर्ग से वर्षा को बुला दिया; और स्वर्ग को बन्द कर दिया और उसी प्रकार के कार्य किए। तब फिर जब प्रेरणा ने उसे छोड़ दिया, वह बाहर जंगल में चला गया और वह मरना चाहता था। और पमेश्वर ने चालीस दीन पश्चात उसका पता लगा लिया, उसे गुफा में वापस लेकर आया। यह ठीक बात है?

290 योना को देखें, जो की भविष्यद्वक्ता था। संदेश को देने के बाद, वह गया और पहाड़ के ऊपर जाकर बैठ गया, परमेश्वर से कहा कि उसे मरने दे। ''होने पाए कि तेरा दास शान्ति से विदा हो।''

291 लोग नहीं समझते हैं। नहीं, नहीं, आप नहीं समझेंगे। न ही मैं इस बात को समझा सकता हूँ, न ही कोई व्यक्ति समझा सकता है। आप परमेश्वर को समझा नहीं सकते हैं। परमेश्वर वैज्ञानिक शोध के द्वारा नहीं जाना जाता है। परमेश्वर विश्वास के द्वारा जाना जाता है। हम उसपर विश्वास करते हैं। आप उसे कैसे समझा सकते हैं? यह और अधिक फिर विश्वास कैसे होगा? हम परमेश्वर को विश्वास के द्वारा जानते हैं।

292 कलीसिया उस परिश्रम और थकाने वाले कार्यों को कभी नहीं जान पाएगी, और उस कठिन परिश्रम को और परीक्षाओं को कभी नहीं जान पाएगी, जिसके कारण संदेश को लाने का यत्न किया गया है। वह यह करता है। मेरा पुरस्कार लोगों से नहीं आता है।

293 महिला, यहाँ पर देखिए। हाँ, जल्दी से। उस स्त्री के ऊपर मृत्यु की परछाई है। जल्दी से परमेश्वर उस स्त्री के पास नहीं आता है, मैं देख सकता हूँ...क्या आप उसके ऊपर लटके हुए कालेपन को नहीं देख सकते हैं? वह मर जाएगी, यह उतना ही निश्चित है जितना निश्चित इस संसार का होना है। यहाँ पर कुछ दिन पहले उन्होंने उस प्रकार की चीज की तस्वीर ली थी, और यह घर पर है। उसके निकट एक काली छाया लटकी हुई है। उसके ऊपर मृत्यु की परछाई है।

294 इस छोटी स्त्री के शल्य चिकित्सा की गई है। और इस शल्य चिकित्सा में, उन्होंने उसकी कैन्सर के लिए शल्य चिकित्सा करी है। और अब उसको परेशानीयाँ हैं, हर तरह की हैं, अच्छा, बस समस्याएं हैं। एक चीज है, आप इतनी अधिक कमजोर हैं कि आप खड़ी नहीं हो सकती हैं। एक और बात है, ब्लैडर से मवाद आता है। अब, बस आप यह देख सकती हैं कि मैं बस कुछ नहीं कह रहा हूँ। समझे? यह ठीक है। परन्तु महिला, डाक्टर ने यत्न किया है। मैं उसको उस बात के लिए मान्यता देता हूँ। परन्तु, वह इलाज है, ठीक करने वाला परमेश्वर है। आप उस प्रकार से मरने जा रही हैं। जो भी उसे करना था उसने कर दिया है। क्या आप विश्वास करती है? (बहन कहती है, ''हाँ।'') एक मिनट के लिए यहाँ पर आइए।

295 सर्वशक्तिमान परमेश्वर के द्वारा दिए गए कार्याधिकार के द्वारा, जिसकी गवाही स्वर्गदूत के द्वारा मुझे हुई है, जो कि यहाँ पर आग के स्तंभ के रूप में खड़ा है, मैं इस शैतान को जो कि इस स्त्री के जीवन को ले रहा है, डाँटता हूँ। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

जाइए, विश्वास करिए। जो भी कुछ आपके अन्दर है, उससे विश्वास करें।

296 आप के पास वह परेशानी है जो कि किसी और चीज की तुलना में ज्यादा लोगों को मारता है, वह हृदय की परेशानी। वे इस बात का दावा करते हैं कि यह नम्बर एक बिमारी है, परन्तु यह नहीं है, श्रीमान। पाप एक नम्बर की परेशानी अर्थात बिमारी है। क्या आप इस बात का विश्वास करते हैं कि वह हृदय को चंगा कर सकता है और आप को ठीक कर सकता है? (भाई कहता है, ''मैं जानता हूँ कि वह कर सकता है।''–संम्पा) फिर जाईए, विश्वास करीए। परमेश्वर आपको आशीष दे।

297 क्या आप यह सोचते हैं कि परमेश्वर आपके पीठ को चंगा कर सकता है और आप को अच्छा कर सकता है? क्या आप संपूर्ण हृदय के साथ विश्वास करते हैं? बहन, जाईए, विश्वास करीए। देखें कि आप को क्या होता है, आप अच्छी होंगी।

298 गठिया और हृदय रोग। परन्तु क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आप को अच्छा करेगा? (बहन कहती है, ''मैं करती हूँ।''–संम्पा) अपने संपूर्ण हृदय से? (''हाँ श्रीमान'') क्या आप इसे ग्रहण करेंगी? (''हाँ श्रीमान'') जिस प्रकार से आप ने विश्वास किया है, उसी प्रकार से आप के साथ होगा। अब जाइए, अपने संपूर्ण हृदय के साथ विश्वास करीए, और परमेश्वर आप को अच्छा करेगा।

299 आप को भी पीठ की परेशानी है। क्या आप विश्वास करती हैं कि यीशु मसीह आप को अच्छा कर सकता है? (बहन कहती है, ''हाँ श्रीमान।''–संम्पा) अब जाएं, अपने संपूर्ण हृदय के साथ विश्वास करें। मैं आप को चंगा नही कर सकता हूँ, समझे।

300 प्रास्टैट ग्रन्थि, अधीरता, और आपको गठिया रोग भी है। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको अच्छा कर सकता है, चंगा कर सकता है? क्या आप इसे ग्रहण करते हैं? जाइए, और फिर इसपर विश्वास करिए।

301 खाँसी आप को अधिक समय के लिए जगाए रखती है। परन्तु परमेश्वर दमें को चंगा कर सकता है। क्या आप विश्वास करते हैं? (भाई

कहता है, ''हाँ श्रीमान।''–संम्पा) क्या आप विश्वास करते हैं कि वह आप को अभी चंगा करता है? (''हाँ श्रीमान।'') परमेश्वर आपको आशीष दे। आपके विश्वास के लिए आपका धन्यवाद।

302 क्या हो यदि मैं आप से एक भी शब्द न कहूँ, बस आप के ऊपर हाथों को रख दूं, क्या आप विश्वास करेंगे? (भाई कहता है, ''हाँ।''–संम्पा) यहाँ आईए। मैं आप के ऊपर हाथों को रखता हूँ, यीशु मसीह के नाम में, और होने पाए कि गठिया आप को छोड़ दे। उसने छोड़ दिया है।

303 आईए। आईए बहन। क्या आप विश्वास करती हैं? (बहन कहती है, ''हाँ श्रीमान। मैंने प्रभु के द्वारा पहले चंगाई पायी है।''संम्पा) अच्छा, यह अद्भुत बात है। (''हालेलुइया!'') तब फिर आप जाएं और अपने खाने को खाएं, और आपका पेट ठीक हो जाएगा। (''हालेलुईया!हालेलुईया!हालेलुईया!'')

304 बहुत सारी पीठ की तकलीफ, यह आपको बहुत समय से परेशान कर रही है। जाईए, यह विश्वास करते हुए...जाईए, यह विश्वास करते हुए कि आप ठीक होने जा रहीं हैं, और परमेश्वर यह आपके लिए करेगा। (भाई कहता है, ''परमेश्वर ने कर दिया है। आमीन।'' –संम्पा.) आमीन। यही वह बात है। (''प्रभु की महिमा हो।'') भाई, प्रभु आप को आशीष दे। आमीन।

305 मधुमेह परमेश्वर के लिए चंगा करने के लिए कुछ भी चीज नहीं है। वह उनको अच्छा कर सकता है। क्या आप विश्वास करती हैं? (बहन कहती है, ''मैं करती हूँ।''–संम्पा) ठीक है। इसे ग्रहण करीए और जाईए और उसपर अब अपने संपूर्ण हृदय के साथ विश्वास करीए।

306 आप को भी यह आपके लहु में है। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा कर सकता है? जाईए, उसपर अपने संपूर्ण हृदय के साथ विश्वास करीए, और अच्छे हो जाएं।

307 आप विश्वास करते हैं कि उसने आप को चंगा कर दिया था जब वह चीज आकर आपसे टकराई थी? उसने आपको कर दिया था।

308 स्त्री रोग। हृदय रोग। क्या आप इसपर विश्वास करती हैं? जाईए, उस बात पर विश्वास करीए। यीशु के नाम में चंगा हो जाईए।

309 क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपकी पीठ को इस सभा में चंगा कर देगा। आपको आशीष मिले! बस आप आगे बड़ें।

मैं चंगा नहीं करता हूँ। मैं चंगा नहीं कर सकता हूँ। मैं चंगा करनेवाला नहीं हूँ।

310 आप क्या सोचते हैं जब उसने उसकी पीठ के विषय में कहा था, क्या आप विश्वास करते हैं कि आप की भी पीठ चंगी हो गई? ठीक है, बस जाईए, विश्वास करीए, फिर...बस जाईए और विश्वास करीए, अपने संपूर्ण हृदय से।

311 आप को भी, क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आप को अच्छा कर सकता है? जाईए, और अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करीए। परमेश्वर इसे आप को प्रदान कर देगा यदि आप...हालाँकि, आपको उस बात का विश्वास करना है।

312 क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आप को भी अच्छा कर सकता है।? (बहन कहती है, ''प्रभु की महिमा हो! मैं निश्चित रूप से करती हूँ।''–संम्पा) ठीक है। परमेश्वर आप को आशीष दे। बस ठीक आगे बड़ते रहिए और अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करिए।

313 आईए श्रीमान। एक सफेद सी पुरानी बूंद नीचे गिर रही है। उस चीज का पता लगाने से मधुमेह रोग निकेलेगा। (भाई कहता है, ''मधुमेह।''–सम्पा) क्या आप विश्वास करते हैं कि वह आप को अच्छा कर सकता है? आईए खून चड़वाने के लिए कलवरी को च्लें। विश्वास के द्वारा, यीशु मसीह के नाम में, होने पाए कि वह चंगा हो जाए। आमीन। भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। अपने संपूर्ण हृदय के द्वारा विश्वास करीए। क्या आप विश्वास करते हैं? (बिलकुल ठीक बात है।'')

314 सभा में आप जो कि कुछ लोग हैं उनके विषय में क्या? क्या आप अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करते हैं, कि यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है? क्या आप विश्वास करते हैं? (सभा कहती है, ''आमीन।''– संम्पा)

315 *इस* जिले के विषय में क्या? छोटी महिला जो कि वहाँ पर बैठी हुई है, ठीक मेरी ओर देख रही है, जो कि महिला रोग से पीढ़ित है, क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आप को अच्छा करेगा? बस एक छोटा सा नीला कोट पहन रखा है। ठीक है। अभी विश्वास करीए, यीशु मसीह आप को अच्छा करता है। यह बस उतना ही आसान है।

316 महिला जो कि आपके ठीक पीछे बैठी हुई है, जिसके गहरे रंग के बाल हैं। उसने कहा, ''प्रभु, आप को धन्यवाद।'' कुछ चीज उससे टकराई। वह नहीं जानती थी कि वह क्या चीज थी। ब्लैडर की परेशानी ने उसे छोड़ दिया, ठीक वहाँ पर बैठी हुई है, ठीक उस महिला के पीछे जो कि ठीक तभी चंगी हो गई थी। यदि आप अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करती हैं, महिला। आप करती हैं? ठीक है, अपने हाथों को उठाईए यदि आप उस बात को ग्रहण करना चाहती हैं। परमेश्वर आप को अच्छा करता है।

उस के विषय में क्या जो कि यहाँ पर हैं, कोई *यहाँ* पर है?

317 वहाँ सभा में पीछे की ओर, अब वास्तविक रूप में आदरयुक्त बने रहें। हिलें नहीं। समझे, यह बिमारीयाँ एक से दूसरे तक चली जाती हैं।

318 आपके विषय में क्या श्रीमान? यह बूढ़ा व्यक्ति जो कि इस कुर्सी पर बैठा हुआ है? क्या आप विश्वास करते हैं? क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा कर सकता है? गठिया और आप को श्वासनली–शोथ है। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आप को अच्छा कर सकता है? आप करते हैं? ठीक है, जो आपने माँगा है आप को वह मिल सकता है। ''यदि आप विश्वास कर सकते हैं!''

319 महिला, आप जो कि उसके पास बैठी हुई हैं, आप क्या सोचती हैं?

क्या आप भी विश्वास करती हैं? क्या आप विश्वास करती हैं? क्या आप यह विश्वास करती हैं कि परमेश्वर मुझे यह बता सकता है कि आपकी क्या परेशानी है? आप मुझसे बहुत दूरी पर हैं। बस उसपर अभी विश्वास करें। क्या आप सोचते हैं कि मैंने आपको सत्य बताया है? तब फिर आपका बड़ा हुआ रक्तचाप नीचे आ जाएगा। क्या आप विश्वास करते हैं?

320 आपने भी अपना हाथ उठाया था। आप उनका साहस बढ़ा रहे थे। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि क्या...आप उनकी सहायता करने में कितने अच्छे थे, अब परमेश्वर आपकी सहायता करने में अच्छा होगा। आप को आत्मिक तकलीफ है जो कि आपको परेशान कर रही है। यदि यह ठीक है, इस प्रकार से अपने हाथ को हिलाएं। वह अब ठीक होने जा रही है। वह उसे ठीक करता है।

321 कितने विश्वास करते हैं? आप में से कितने...जो कि मसीही नहीं हैं, उन्हें यह अनुभूति है कि यीशु मसीह उपस्थित है, जो कि अब खड़ा होने चाहेंगे, कहेंगे, ''मैं अपनी पहचान पापी के रूप में करता हूँ, क्या आप मेरे पापों को क्षमा करेंगे?'' अपने पैरों पर खड़े हो जाईए। श्रीमान, परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। वह...परमेश्वर आपको आशीष दे, आपको, आपको,आपको। आपको, वह आपको देखता है। जब आप उस प्रकार से करते हैं तो उसने आपके नाम को लिख लिया है।

322 बालकनी में यहाँ पर, खड़े हो जाएं, कहें, ''प्रभु यीशु, मैं करना चाहता हूँ, मैं अपनी पहचान करवाना चाहता हूँ। मुझे अपने प्राण के लिए करूणा चाहिए।'' परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। ''प्रभु यीशु, मुझे करूणा की आवश्यकता है।''

323 मित्र क्या आप देख सकते हैं, कि वह यहाँ पर हैं? युवा व्यक्ति, परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, युवा स्त्री। यह सबसे बड़ी बात है जो कि आपने की है। अब कोई

और है जिसने यह नहीं किया है, वह खड़ा हो जाए, कहे, ''मैं अपनी पहचान करवाना चाहता हूँ, प्रभु यीशु। मैं अपनी पहचान करवा रहा हूँ, आज रात्रि।''

324 ''वह जो कि अपने पापों को मान लेगा, उसे करूणा प्रदान की जाएगी। वह जो अपने पापों को छुपाएगा, वह समृद्ध नही होगा।''

325 क्या आप उसकी उपस्थित में करेंगे? महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं चाहता हूँ...परमेश्वर आपको आशीष दे। हाँ। और प्रभु आपको आशीष दे। श्रीमान, परमेश्वर आपको आशीष दे। महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। और प्रभु आपको आशीष दे।

326 आप कहते हैं, ''क्या उस बात का कोई मतलब है?'' जीवन और मृत्यु के बीच में, यही भिन्नता है।

327 क्या आप उसकी उपस्थिति को यहाँ पर पहचान सकते हैं? क्या आप उसे पहचान रहे हैं? क्या आप उसका अनुभव कर सकते हैं? समझे, आप उसे समझते हैं, आप उसे होते हुए देखते हैं। यह वही है। ठीक यही बात है जो उसने कही थी कि वह करेगा। क्या आप उस चीज का विश्वास करते हैं? (सभा कहती है, ''आमीन।''—संम्पा)

328 कोई और यह कहता है, ''मैं अपनी पहचान एक पापी के रूप में करवाना चाहता हूँ, प्रभु। अब आप मेरे पापों को क्षमा कर दें।'' यदि आप पहले से ही खड़े हुए हैं, बस अपने हाथों को ऊपर उठाईए। आप से कुछ जो कि दीवार के चारों ओर हैं, उठा...परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। कोई और ऊपर बालकनी से लेकर पीछे वाले हिस्से में कहता है, ''मैं अपनी पहचान करवाना चाहता हूँ, प्रभु यीशु। आज रात्रि, मैं करूणा माँगता हूँ, आपकी दिव्य उपस्थिति में, यह विश्वास करते हुए, कि वही परमेश्वर जो कि मेरा न्याय करेगा, उसकी उपस्थिति अभी यहाँ पर हैं वह जानता है कि वह मेरे हृदय से बातचीत कर रहा है और मुझे बता रहा है कि मैं गलत हूँ। मैं खड़ा होना चाहता हूँ और यह कहता हूँ कि मैं गलत हूँ। मैं अपनी गलती को मानता हूँ। आप मुझे मेरे हृदय में दोषी ठहरा रहे हैं।'' यही कारण है कि

मैंने प्रार्थना पंक्ति को रोक दिया था। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

329 आप ने क्या सोचा कि मैंने उसको क्यों रोक दिया? मैंने उसे रोका क्योंकि मैं जानता था कि उसे तो होना ही था।

330 अब, यहाँ पर दूसरे हैं, क्या आप खड़े नहीं होंगे? खड़े हो जाएं और कहें कि कोई आपके हृदय से बात चीत कर रहा है, कि आप गलत हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। ''मैं गलत हूँ। प्रभु मुझे क्षमा करें। मैं अपनी पहचान करवा रहा हूँ। प्रभु, मैं खड़ा हो रहा हूँ, आपकी उपस्थिति में। मैं जानता हूँ कि आप यहाँ पर हैं। मैं...आप को यहाँ पर होना ही है। आप ने कहा था कि इसी बात को आप करेंगे। अब मैं...मैं चिन्ह को देखता हूँ, और मैं जानता हूँ कि उसे मुझे समझाया जा चुका है कि उसे इस दिन का चिन्ह होना है। मैंने उस आवाज को सुना है जिसने पश्चाताप के लिए वापस बुलाया था। प्रभु, मैं यहाँ पर हूँ। मैं चिन्ह पर विश्वास करता हूँ। मैं आवाज को सुनता हूँ।''

331 आवाज आप से अब बातचीत कर रही है! हे तितर बितर हुओं, वापस मुड़ जाओ! हे भटकते हुए सितारे, वापस मुड़ जाओ! ओह तुम जिसको कि बाहर निकाल दिया गया है, वापस मुड़ जाओ! आज रात्रि वापस मुड़ जाओ!

332 क्या आप नहीं मुड़ेंगे? बस खड़े हों जाएं और कहें, ''मैं अपनी पहचान एक पापी के रूप में करता हूँ, करूणा माँग रहा हूँ।'' क्या आप इसे करेंगे, कोई और करेगा? परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, पुत्र। यदि मैं आपको देखने में चूक जाता हूँ, वह नहीं चूकेगा। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। यह बहुत अच्छी बात है। यह बहुत अच्छी बात है। कोई और है? बस रहें...मैं चाहता हूँ कि आप एक मिनट और रूकें, क्योंकि मुझे अभी भी एक छोटे से बोझ की अनुभूति हो रही है, समझे। कोई और? परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। इसको करने का यही तरीका है। यही वह बात है। कोई और, ''मैं अपनी पहचान करवाना चाहता हूँ, बस

अपने आप को उठाएं और कहें कि मैं गलत हूँ। मैं करूणा माँग रहा हूँ।'' क्या आप इसे करेंगे? इससे पहले कि हम आगे जाएं, जल्दी से खड़े हो जाएं और कहें, ''प्रभु यीशु, मैं अपनी पहचान करवाना चाहता हूँ।'' परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला।

333 आप जानते हैं, शायद इससे पहले कि आप घर जाएं, परन्तु किसी और समय आपके चेहरे पर ठंडा कोहरा आ रहा होगा। शायद किसी प्रातः डाक्टर आएगा और वह आपकी नाड़ी को महसूस करेगा कि वह कम हो रही है, कुछ भी नहीं किया जा सकता है। तब फिर आपको मृत्यु की ठंडी लहरें आपके चेहरे तक बह कर आती हुई महसूस होंगी। आप को स्मरण आएगा कि आपने क्या किया है।

334 स्मरण रहे, वे आपको इतना अधिक गहराई में नहीं गाढ़ सकते हैं, वे आपके साथ कुछ नहीं कर सकते हैं। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा करी है, ''मैं अंतिम दिन तुमको फिर से जिला उठाऊँगा।'' देखो। ''वह जो कि मेरे वचनों को सुनता है और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, उसके पास अनंत जीवन है और वह न्याय में नहीं आएगा, परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।'' कोई उस बात को मिटा दे यदि वह ऐसा कर सकता है। यीशु मसीह ने ऐसा कहा है। ''वह जो विश्वास करता है, जो कि मेरे वचनों को समझता है और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, उसके पास अनंत जीवन है और वह न्याय में कभी नहीं आएगा, उसके ऊपर दोष नहीं लगाया जाएगा परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।'' क्योंकि, उसने परमेश्वर के इकलौते पुत्र पर विश्वास किया है, जिसको कि परमेश्वर ने खड़ा किया था, दो हजार वर्षों पहले, और वह आज रात्रि यहाँ पर जीवित है, पुनुरूत्थान के अपने गुणों को दिखला रहा है।

335 उसके बाद कोई और है जो कि खड़ा होगा, कोई और कहेगा, ''मैं उसे ग्रहण करना चाहता हूँ। मैं उसे ग्रहण करना चाहता हूँ।'' परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। यह बहुत अच्छी बात है छोटी स्त्री। यह निडरता है। मैं चाहता हूँ कि आप ध्यान दें।

336 मैंने कुछ समय पहले यहाँ पर एक वेदी की पुकार को देखा था, लोग आ रहे थे, गम को चबाते हुए, एक दूसरे को उनके एक तरफ घूसा मारते हुए आ रहे थे।

337 परन्तु क्या आपने उन लोगों के चेहरे के ऊपर सत्यनिष्ठा को देखा? वे युवा स्त्रियाँ, उनको उनके कटे हुए बालों और मेक अप करने के लिए दोषी ठहाराने के बाद; उस मेक अप को लेकर, और कटे हुए बालों का लेकर, फिर भी खड़ी हुई हैं, ''मैं पापी हूँ। परमेश्वर, मुझपर दया करें।'' यह वह बीज हैं जो कि वहाँ पर पड़े हुए हैं। उजियाला उनके ऊपर चमका है, और वे जानती हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे।

आईए हम अपने सिरों को झुकाएं।

338 मैं चाहता हूँ कि यहाँ पर उपस्थित हर एक विश्वासी जो कि उस व्यक्ति के पास यहाँ पर खड़ा हुआ है जो कि खड़े हुए थे, अपने हाथ को उस व्यक्ति पर रख लें, (क्या आप ऐसा करेंगे?), वह जो कि खड़े हुए हैं। वे आपके पास खड़े हुए थे। यदि आप मसीही हैं, अपने हाथ को बहन अथवा उस भाई पर रखें, ''मैंने अपने हाथ को आप पर रख लिया है। मैं प्रार्थना करने जा रहा हूँ।''

339 स्वर्गीय पिता, यहाँ पर वे लोग हैं जो कि आपका विश्वास करते हैं। ''कुछ बीज रास्ते के किनारे गिरे,'' आप ने कहा, ''चिड़िया आई और उन्हें एकत्र कर लिया। दूसरे पथरीली जमीन और ऊट–कटारों पर गिरे। परन्तु कुछ अच्छी, उपजाऊ जमीन पर गिरे।'' और आज रात्रि आपकी उपस्थिति ने बहुतेरों को कायल किया है कि आप परमेश्वर के पुत्र हैं, कि आप हमेशा के लिए जीवित हैं। और आप ने प्रतिज्ञा करी है कि चूंकि आप जीवित हैं, हम भी जीवित रह सकते हैं।

340 प्रभु यीशु, वे खड़े हुए और खड़े होकर इस बात की गवाही दी कि वे आपमें विश्वास करते हैं। अब, प्रभु, मैं जानता हूँ कि उस दिन आप इनके लिए खड़े होंगे। प्रभु, प्रदान करें। मैं यीशु मसीह के नाम में इनको आप को देता

हूँ। होने पाए कि वे किसी अच्छे गिरजे में जाएं और मसीही बपतिस्मा लें। होने पाए कि वे जाकर एक अच्छे विश्वासीयों के झुण्ड में शामिल हो जाएं। होने पाए कि वे पवित्र आत्मा से भर जाएं। होने पाए कि वे सुसमाचार के विजयोउपहार हों, उस दिन आपके मुकुट के मोती हों। और यदि उस महान दिन के पहले मैं उन्हें कभी न देख पाऊँ, होने पाए कि मैं उन्हें उस दिन देखने पाऊँ जैसे कि दर्शन में कहा गया था, ''क्या आप मुझे स्मरण कर सकते हैं? यह उस रात्रि बेटन राऊज था जहाँ पर मैं खड़ा हुआ था।'' पिता, इसे प्रदान करें। वे आपके हैं, मसीह के नाम के द्वारा।

341 यहाँ पर मेरे सामने रूमालों का बक्सा, छोटे जूते, बच्चों की जूतीयाँ, रूमाल, और कपड़े और पेट बन्द पड़े हुए हैं। बाईबिल में हमें सिखाया गया है, कि उन्होंने संत पौलूस की देह से रूमालों, और पेटबन्दों को लिया, और अशुद्ध आत्माएं लोगों में से निकल गईं। अब, पिता, हम जानते हैं कि हम संत पौलूस नहीं हैं, परन्तु आप फिर भी वही परमेश्वर हैं, अतः मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप उन्हीं परिणामों को प्रदान करेंगे, जितनी सत्यनिष्ठा के साथ यह पीढ़ी विश्वास कर रही है। उन्होंने पौलूस का इसलिए विश्वास नहीं किया क्योंकि वह पौलूस था; उन्होंने पौलूस का विश्वास किया क्योंकि आप ने अपनी पहचान पौलूस में करवाई। अब वे आज रात्रि उसी बात का विश्वास करते हैं, प्रभु, कि आप की पहचान हमारे बीच में आज रात्रि हुई है। और एक दिन, हम कहते हैं कि...

342 एक लेखक मुझे बता रहा था, कि, ''ईस्राएल प्रतिज्ञा किए गए देश की ओर अपने मार्ग पर था, और लाल समुद्र उसके मार्ग में आ गया, ताकि वह उनको प्रतिज्ञा किए गए देश से काट दे।'' लेखक ने कहा, कि, ''परमेश्वर ने आग के स्तंभ में से होते हुए क्रोध भरी आँखों से देखा, जब वह ईस्राएल के ऊपर चला था। वह अविश्वासी के लिए अंधकार, अंधापन था, और ईस्राएल के लिए उजियाला था। और जब लाल समुद्र मार्ग में आ गया, वह डर गया, और वापस मुढ़ गया, और ईस्राएली सूखी भूमि पर प्रतिज्ञा किए गए देश में पार होने पाए।

343 प्रभु परमेश्वर, आज रात्रि यीशु मसीह, जो कि आपका पुत्र है, उसके

लहु से होकर नीचे देखीए। जबकि मैं अपने हाथों को इन रूमालों पर रखता हूँ; जब वे बिमारों पर रखे जाते हैं, होने पाए कि पवित्र आत्मा, प्रभु, उस व्यक्ति के ऊपर देखे, और होने पाए कि बिमारी उससे दूर चली जाए, और होने पाए कि वे अच्छे स्वास्थ और सामर्थ के देश में पार होकर जाने पाएं। कि, बाईबिल ने कहा, ''सब बातों में,'' कि वे यह इच्छा रखते थे कि ''हम सब बातों में उन्नति करें और भले चंगे रहें।'' इसे प्रदान करें, प्रभु, मैं उन्हें यीशु मसीह के नाम में भेजता हूँ। आमीन।

...मैं अनुकरण करूंगा,
जहाँ वह मेरी अगुवाई करेगा...(आईए हम गाएं)...अनुकरण करूंगा,
मैं उसके साथ जाऊँगा,(अब उसकी उपस्थिति पास है, आईए हम बस उसकी मधुरता के साथ उपासना करें,) सारे रास्ते भर।

344 क्या आप इस प्रकार से इसे गा सकते हैं?

जहाँ पर वह मेरी अगुवाई करेगा मैं उसका अनुकरण करूंगा,
जहाँ पर वह मेरी अगुवाई करेगा मैं उसका अनुकरण करूंगा,
जहाँ पर वह मेरी अगुवाई करेगा मैं उसका अनुकरण करूंगा,
मैं उसके साथ जाऊँगा,(यदि आप करेंगे, अब अपने हाथ को उठाएं,) सारे रास्ते भर।

आईए अब बस खड़े हो जाएं, अपने हाथों को फिर से उठाएं।

...उसके साथ बाग में जाऊँगा,

345 अब हर एक आत्मा में गाए। वास्तव में काटने वाला संदेश था। आईए उसकी उपस्थिति में उसकी आराधना करें। उसकी आराधना करना उसे अच्छा लगता है।

...बाग में,
मैं उसके साथ बाग में जाऊँगा,

मैं उसके साथ सारे रास्ते भर चलूंगा।

346 अब आइए इसे हम गुनगुनाएं। ''मैं कर सकता हूँ...'' अब जबकि आप इसे कर रहे हैं, मैं चाहता हूँ कि आप किसी से हाथ मिलाएं, कहें, ''परमेश्वर आपको आशीष दे, यात्री। यात्री, परमेश्वर आपको आशीष दे,'' इस प्रकार से। हम एक दूसरे के साथ में हैं। मेथोडिस्ट, और बैपटिस्ट, प्रेसबेटेरियन, पिन्तेकोस्तल, सभी एक दूसरे के साथ हाथ मिलाएं। ''यात्री, परमेश्वर आपको आशीष दे।'' यही है जो कि हम हैं। यात्री हैं। ''...बाग में।''

347 यात्री, परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। (भाई ब्रन्हम और सभा हाथ मिलाती रहती है। टेप में रिक्त स्थान—संम्पा) ''...बाग में।'' अब आइए अपने हाथों को उठाएं।

मैं उसके साथ सारे रास्ते भर चलूंगा।

348 आईए हम अपने सिरों को झुकाएं, नम्रता से, प्रार्थना में। इस बात को न भूलें, कि प्रातः संडे स्कूल है।

349 किसी भी तरह से या किसी और तरीके से, मुझे बस अपने हृदय में इतनी वास्तविकता से परमेश्वर की उपस्थिति को आभास हो रहा है। किसी भी तरह से, आज रात्रि, छोड़ कर जाना मेरे लिए कितनी कठिन बात है। मैं महसूस कर रहा हूँ कि पवित्र आत्मा अत्यन्त प्रसन्न हुआ है। शायद कल एक महान सभा होगी, यह देखते हुए कि लोग मसीह के पास आए हैं, आप समझे। किसी ने यह आश्चर्य किया कि मैंने वेदी पर से पुकार क्यों नहीं लगाई। मुझे इन्तजार करना होता है जब तक कि मेरी अगुवाई उसे करने के लिए नहीं होती है। समझे?

350 मेरा विश्वास है कि हर एक जन जिसने कि अपने हाथ को उठाया है, या खड़ा हुआ है, मेरा विश्वास है कि आप कल किसी अच्छे गिरजे में होंगे, अपने स्थान को विश्वासीयों के बीच में ले लेंगे।

351 जबकि हमारे सिर झुके हुए हैं, मैं याजक से यहाँ पर आगे आने के लिए कहने जा रहा हूँ, यदि वह आएंगे। परमेश्वर आपको अब आशीष दे, परमेश्वर के सम्मुख झुके हुए अपने सिर और हृदय के साथ।

THE VOICE OF THE SIGN

चिन्ह की आवाज

64-0321E Vol.23-5

भाई ब्रन्हम के द्वारा यह संदेश शनिवार की शाम मार्च 21 , 1964 में डेन्हम स्प्रींग्स हाई स्कूल डेन्हम स्प्रींग्स, लूसीआना, संयुक्त राज्य अमेरिका में दिया गया। इसका टेप नम्बर है 64—0321E और यह टेप एक घंटे और अट्ठावन मिनट का है। चुम्बकीय टेप रिकार्डिंग से छपे हुये पन्ने पर ठीक—ठीक मौखिक संदेश को लाने के लिये हर एक प्रयास किये गये हैं , और बिना किसी काँट—छाँट किये हुये यह संदेश छापा गया है और VOICE OF GOD RECORDINGS के द्वारा बाँटा जाता है।1988 में छापा गया। 2001 में पुनः छापा गया।

© 2001VGR , ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O.BOX 950, JEFFERSONVILLE , INDIANA 47131 U.S.A

VOICE OF GOD RECORDINGS INC.
India Office
No. 28, Shenoy Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034. South India.
Phone : 044-28274560 Fax : 044-28256970

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org